04 - इस अशोभनीय स्थिति का अंत हो तो कैसे

05 - देवदूत जैसे उदार घुमक्कड़

A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 23 अगस्त, 2025

06 - ऑनलाईन मनी गेम्स पर रोक, निश्चित ही देश के लिए यह महत्वपूर्ण विधेयक

07 - शासकीय संस्थाओं के नियमित निरीक्षण में कोताही न बरतें...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 313, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

नज़्म गूंगी हो गई है
गीत चुप्पी साध बैठे
मौन हैं अश'आर सारे
कौन इनको पार तारे
मैं की जिसने दिल की खिड़की
खोल दी दुनिया की जानिब
और उसके रंग देखे ढंग देखे
फूल के बदले में आते संग देखे
और तब से दिल जो पत्थर हो गया है
प्यार मरुथल में नदी सा खो गया है
वो जो भोलापन था मेरी ज़िंदगी था
या कहूँ सादा सी मेरी बंदगी था
इक समझ की उसपे काई जम गई है
ज़िंदगी बहते से जैसे थम गई है
अब अधूरे गीत रह जाते हैं मेरे
शाम हैं होते नहीं जिनके सवेरे
नज़्म भी अपनी रवानी खो चुकी है
जैसे मेरी आँख पानी खो चुकी है।

– डॉ.पूनम यादव

प्रसंगवश

विदेश नीति : क्या हम राष्ट्रीय गौरव व नई ताकत में संतुलन साध सकते हैं?

आशुतोष वार्ष्णेय

अगर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ (व्यापार शुल्क) की धमकियां सिर्फ बातचीत का हथकंडा नहीं हैं, तो भारत की विदेश नीति एक गहरी खाई में जा चुकी है। यह 1998 के बाद का सबसे बड़ा संकट है, जब भारत ने परमाणु परीक्षण किए थे और उसे अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ा था। बड़ा फर्क यह है कि 1998 के परीक्षणों से भारत की शक्ति बढ़ी थी, जबकि इस समय भारत की ताकत काफी कमजोर दिख रही है। अगर भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले दस सालों में औसतन 8-9 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ी होती, न कि 6-6.5 प्रतिशत की दर से, और भारत ने सैन्य आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया होता, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में देश की ताकत कहीं अधिक होती। अब दबाव में नीतिगत प्राथमिकताओं का बड़ा पुनर्गठन करना पड़ सकता है।

सभी बड़ी विदेश नीतियों को तीन हिस्सों में समझा जा सकता है - कोर (मुख्य), सेमी-पेरिफेरी (अर्ध-परिधि) और पेरिफेरी (परिधि)। यह विभाजन भौगोलिक नहीं है, बल्कि महत्व पर आधारित है। भारत की विदेश नीति का कोर कम से कम 2000 से अमेरिका, पाकिस्तान, चीन और रूस पर केंद्रित रहा है। सेमी-परिफेरी में यूरोप में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के साथ संबंध आते हैं। मध्य पूर्व में इज़रायल, सऊदी अरब, यूएई और ईरान। पाकिस्तान और चीन से परे भारत का पड़ोस और कनाडा, ब्राज़ील, ऑस्ट्रेलिया, जापान और सिंगापुर, जगह की कमी की वजह से पेरिफेरी पर यहां बात नहीं की जा रही है।

अगर कोई बड़ा उलटफेर नहीं होता है, तो भारत की विदेश नीति का कोर लगभग टूटने की कगार पर है। पिछले ढाई दशकों में चार लक्ष्य आसानी से पहचाने जा सकते हैं। भारत ने अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाई। वह पाकिस्तान के साथ बराबरी की स्थिति लौटने से बचना चाहता था। वह चीन के साथ बराबरी चाहता था। और वह रूस के साथ अच्छे संबंध रखना चाहता था।

रूस के साथ संबंध अभी भी मजबूत हैं, हालांकि उन पर खतरा मंडरा रहा है। ट्रंप की धमकियों के कारण भारत कुछ और स्रोतों जैसे सऊदी अरब से तेल लेने लगे, तो भी रूस से हथियारों और रक्षा सामग्री पर निर्भरता जल्दी खत्म नहीं होगी। बाकी तीन कोर हिस्से - अमेरिका, पाकिस्तान और चीन से जुड़े - लगभग पूरी तरह गिरावट की ओर हैं।

ट्रंप ने दो बड़े झटके दिए हैं। पहला, भारत के अमेरिकी निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर। इसमें सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे स्मार्टफोन और दवाइयों को बाहर रखा गया है। इसका मतलब है कि भारतीय वस्तुओं पर लगभग व्यापार प्रतिबंध लगा दिया गया है (सेवाओं पर नहीं)। अमेरिका भारत के कुल निर्यात का लगभग पांचवां हिस्सा लेता है। भारत को दूसरे बाज़ार खोजने में समय लगेगा। दूसरा झटका पाकिस्तान के रास्ते से आया है। कम से कम 1999 से, अगर उससे पहले नहीं, अमेरिका लगातार पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को कम करता रहा था और भारत को ज्यादा महत्व देता रहा था। यह 'कोल्ड वॉर' के उस पैटर्न का उलट था, जिसमें पहले पाकिस्तान और बाद में भारत को प्राथमिकता दी जाती थी। राष्ट्रपति क्लिंटन, बुश, ओबामा, बाइडेन और यहां तक कि ट्रंप ने भी अपने पहले कार्यकाल में भारत से दोस्ती बढ़ाने की कोशिश की। वॉशिंगटन में भारत के नीति-निर्माताओं का स्वागत द्विदलीय सहमति से होता रहा, क्योंकि डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन दोनों ही भारत को अपनाते रहे।

हाल ही के भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष ने एक गुणात्मक बदलाव ला दिया है, जिसमें पुराने दौर की परछाइयां गहरी होती दिख रही हैं। इसका सबसे बड़ा प्रतीक ट्रंप का पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को व्हाइट हाउस में दोपहर भोज के लिए आमंत्रण देना है। पाकिस्तान के साथ क्रिप्टोकरेंसी और संभावित तेल भंडार की खोज (जो बलूचिस्तान में रेयर अर्थ खनन का प्रतीक भी हो सकती है) पर समझौते भी हुए हैं। पाकिस्तान की ईरान में संभावित भूमिका भी विचाराधीन हो सकती है।

दूसरे शब्दों में, यह मोड़ रणनीतिक और आर्थिक तर्क से जुड़ा हो सकता है। लेकिन लगभग निश्चित है कि इसे भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में युद्धविराम लाने में अमेरिका की भूमिका को न मानने से और तेज़ी मिली। भारत की कूटनीति ट्रंप की प्रसिद्ध श्रेय लेने की आदत का सही जवाब नहीं दे सकी। जब नीति बहुत व्यक्तिगत हो जाती है, तो अहंकार को शांत करने के लिए सही शब्द खोजना हमेशा एक कूटनीतिक चुनौती होता है। भारत के निर्णयकर्ता कोई ऐसा वाक्य नहीं गढ़ सके जो भारत की आत्मसम्मान की भावना और यथार्थवादी राजनीति (रियलपॉलिटिक) दोनों को एक साथ संतुष्ट कर सकें।

1990 में भारत और चीन की जीडीपी लगभग बराबर थी, लेकिन आज, प्रति वर्ष 9 प्रतिशत की तेज़ आर्थिक वृद्धि दर की वजह से चीन की अर्थव्यवस्था भारत से पांच गुना बड़ी हो गई है। चीन की सैन्य ताकत भी काफी अधिक है। चीन की सैन्य ताकत अमेरिका के और करीब पहुंच रही है।

इसके विपरीत, चीन के साथ आर्थिक और सैन्य बराबरी की भारत की तलाश अधूरी रह गई है। बराबरी के करीब पहुंचने के लिए भारत की अर्थव्यवस्था को पिछले 10-15 वर्षों में प्रति वर्ष 8-9 प्रतिशत की दर से बढ़ना चाहिए था, जैसा कि इस सदी के पहले दशक में हुआ था। साथ ही सैन्य आधुनिकीकरण में बड़े निवेश की ज़रूरत थी। इनमें से कोई भी वांछित स्तर तक नहीं हो पाया। इसी तरह, अमेरिका ने भारत को चीन के मुकाबले एक संतुलन के रूप में देखना शुरू किया था, खासकर 2012-13 के बाद जब चीन को अमेरिका का मुख्य प्रतिद्वंद्वी माना जाने लगा। यही तर्क वॉशिंगटन में भारत के पक्ष में द्विदलीय सहमति को चला रहा था, हालांकि अमेरिका में भारतवंशियों की बढ़ती क्षमता ने भी इसमें भूमिका निभाई।

अब नए हालात में भारत चीन के साथ कैसा व्यवहार करेगा? पहले अमेरिका चाहता था कि भारत चीन को संतुलित करे। क्या अगर हालात और बिगड़े तो भारत चीन का सहारा लेकर अमेरिका को संतुलित करने की कोशिश करेगा? इस अधिक नज़दीकी की कीमत क्या होगी, जबकि पाकिस्तान को चीन का समर्थन पुराना है। भारत को चीन के सामने बहुत बड़ी शक्ति असमानता के साथ जाना होगा।

भारत के नीति-निर्माताओं और रणनीतिक विचारकों को इस खाई से निकलने का रास्ता ढूंढना होगा। कुंजी यही है कि आत्मसम्मान के नियमों और शक्ति की वास्तविकताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की जाए। आत्मसम्मान के बिना कोई भी गर्वीला राष्ट्र नहीं जी सकता। और शक्ति की सच्चाई को अनदेखा करना बेहद ख़तरनाक हो सकता है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मोदी ने किया था शिलान्यास, अब किया उद्घाटन

- बिहार के बेगूसराय में पीएम मोदी ने आम जनता के लिए खोला 6 लेन ब्रिज
- नीतिश कुमार के साथ पुल पर घूमे, गमछा लहराकर लोगों का किया अभिवादन

गयाजी (एजेंसी)। पीएम ने बेगूसराय में गंगा नदी पर बने 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का उद्घाटन किया। नीतिश कुमार के साथ प्रधानमंत्री पुल पर घूमे। उन्होंने अपने गले से गमछा निकाला और हाथ से घुमाकर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। ब्रिज के नीचे बने घाट पर प्रधानमंत्री के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहे। पीएम को देखने के लिए लोगों की भीड़ भी घाटों पर नजर आई। प्रधानमंत्री करीब 37 मिनट तक ब्रिज पर रुके। नया पुल न केवल भारी वाहनों के आवागमन को आसान बनाएगा बल्कि पूर्वोत्तर राज्यों को जोड़ने के लिहाज से महत्वपूर्ण होने वाला है। जिसका लाभ न केवल बेगूसराय समेत आस पास के क्षेत्र को होगा बल्कि ये पूरे बिहार और देश के लिए भी अहम होने वाला है। इस पुल के शुरू होने से जहां उद्योग और व्यापार को लाभ मिलेगा वहीं, पूर्वोत्तर हिस्सा भी मजबूत होगा। इस परियोजना की कुल लागत 1871 करोड़ रुपये है। गंगा नदी पर तैयार किए इस पुल की लंबाई 1.865 किलोमीटर है, जबकि पहुंच पथ सहित इसकी कुल लंबाई 8.150 किलोमीटर है। इसके निर्माण से उत्तर और दक्षिण बिहार की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक बदलाव आएगा। पीएम मोदी ने ट्वीट में लिखा, औंटा-सिमरिया पुल एक ऐतिहासिक परियोजना है, जो उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी!

पीएम बोले-जनता का सेवक बनकर खुशी होती है

पीएम मोदी ने कहा- मुझे जनता का सेवक बनकर उनके लिए काम करने में सबसे ज्यादा खुशी होती है। मेरा संकल्प है, जब तक हर किसी को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। इसी सोच में बीते 11 साल में 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर दिए गए। केवल बिहार में 38 लाख से अधिक घर बने। गयाजी में 2 लाख लोगों को घर मिला है। हमने सिर्फ चारदीवारी नहीं दी, बल्कि गरीब को उसका स्वाभिमान दिया है। इनमें बिजली-पानी, गैस कनेक्शन की सुविधाएं दी हैं।

इससे पहले गयाजी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में अपने 34 मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। आतंकवाद और घुसपैठ पर भी बात की। पीएम ने कहा- हम घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे। इन्हें आपके हक पर डाका नहीं डालने देंगे। कांग्रेस-आरजेडी घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। पहले जेल में बैठकर लोग फाइलों पर साइन करते थे। हम ऐसा बिल लेकर आए हैं, जिसके दायरे में पीएम भी है। गिरफ्तारी होते ही पद जाएगा। पहले बिहार में शाम को कहीं आना-जाना मुश्किल था। गयाजी जैसे शहर लालटेन राज में अंधेरे में डूबे रहते थे। न शिक्षा थी, न रोजगार था। बिहार की कितनी पीढ़ियों को इन लोगों ने पलायन के लिए मजबूर किया। पीएम ने कहा- जिसने पाप किया है, वो अपने पाप को दूसरों से छिपाता है, लेकिन खुद तो जानते हैं कि उन्होंने क्या किया है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव जबलपुर को देंगे 1052 करोड़ रुपये लागत वाले फ्लाईओवर की सौगात

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 अगस्त, शनिवार को जबलपुर नगर को प्रदेश के सबसे बड़े और अत्याधुनिक फ्लाईओवर की सौगात देंगे। यह फ्लाईओवर जबलपुर शहर को नए यातायात स्वरूप में महानगरीय पहचान देगा।

जबलपुर में 1052 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 6.855 किलोमीटर लंबा यह एलिवेटेड कॉरिडोर न केवल मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाईओवर है, बल्कि इसमें कई ऐसी विशेषताएं भी शामिल हैं जो इसे विशिष्ट पहचान देती हैं। इस फ्लाईओवर का सबसे बड़ा तकनीकी आकर्षण रेल मार्ग के ऊपर निर्मित 192 मीटर लंबा सिंगल स्पान केबल स्टे ब्रिज है। इस परियोजना में कुल 3 बो-स्ट्रिंग ब्रिज भी शामिल किए गए हैं। इनमें से दो पुल रानीताल क्षेत्र में और एक पुल बलदेवबाग क्षेत्र में बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि ये सभी पुल पूरी तरह स्टील से निर्मित हैं और प्रत्येक की लंबाई लगभग 70 मीटर है। आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों से निर्मित यह संरचना न केवल जबलपुर बल्कि पूरे देश के लिए एक अद्वितीय और प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करती है। यातायात की दृष्टि से यह फ्लाईओवर क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। जहां पहले मदनमहल से दमोह नाका तक पहुँचने में 40 से 45 मिनट का समय लगता था, अब फ्लाईओवर शुरू होने के बाद यह दूरी मात्र 6 से 8 मिनट में तय की जा सकेगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि शहर में प्रदूषण का स्तर भी घटेगा। व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी, नागरिकों की दैनिक जीवनशैली सरल होगी और जबलपुर एक नए यातायात मॉडल के रूप में देश के अन्य शहरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

मध्यप्रदेश को बना रहे हैं देश का नया फूड बॉस्केट : मुख्यमंत्री

धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, हैल्थ टूरिज्म पर भी हमारा फोकस

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बीते 20 सालों में मध्यप्रदेश का परिदृश्य बड़ी तेजी से बदला है। हम मध्यप्रदेश को देश का 'मॉडल स्टेट' बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार मध्यप्रदेश को देश का 'न्यू फूड बॉस्केट' बनाने के लिए तेजी से प्रयत्नशील हैं। हमारे अन्नदाता किसानों की मेहनत से प्रदेश के अनाज भंडार अन्न से भरे पड़े हैं। मध्यप्रदेश वह प्रदेश है, जहां तेजी से जिलों में मैडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। हमारी सरकार पीपीपी मॉडल पर मैडिकल कॉलेज खोलने के लिए निवेशकों को मात्र एक रूपए में 25 एकड़ जमीन और 10 साल के लिए अपना जिला-संभागीय अस्पताल भी देने को तैयार है। निवेशक मेडिकल कॉलेज के लिए जब अपना खुद का अस्पताल तैयार कर लेंगे, तब 10 साल बाद हम अपना जिला चिकित्सालय उनसे वापस ले लेंगे। यह निवेशकों को सरकार की ओर से दोहरी मदद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक निजी मीडिया समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ मध्यप्रदेश से हुआ। करीब एक लाख करोड़ रूपए की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के सारे जिले और लगभग 70 हजार करोड़ रूपए लागत की पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से मालवा और चंबल के सभी जिलों में सिंचाई और पेयजल की स्थाई सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। सिंहस्थ-2028 की तैयारी पूरे जोर-शोर से जारी है। श्रीमहाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन की तस्वीर ही बदल गई है। उज्जैन शहर की आबादी फिलहाल 7 लाख है, पर अब देश-विदेश से हर साल 7 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालु श्रीमहाकाल बाबा और श्रीमहाकाल लोक के दर्शन के लिए उज्जैन आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन शहर में ही 200 से अधिक होटल खुल गये हैं, इससे शहर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए एक हजार एकड़ जमीन भी पूरी उपयोग में आ गई, इसलिए अब हम एक हजार एकड़ जमीन का लैण्ड बैंक पुन- आरक्षित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एयर कनेक्टिविटी पर हमारा पूरा फोकस है। हम मध्यप्रदेश में नई एविएशन पॉलिसी लेकर आए हैं। इस पॉलिसी के अंतर्गत हमारे खुद के प्लेन प्रदेश में शुरू करने के लिए इंसेंटिव भी दिए जा रहे हैं।

जहां से उठाया, आवारा कुत्तों को वहीं ले जाकर छोड़ो

- आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला
- कहा-शेल्टर होम में केवल हिंसक और बीमार कुत्ते रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आवारा कुत्तों के मामले पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि शेल्टर होम से सभी कुत्तों को छोड़ा जाए। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि हिंसक और बीमार कुत्ते शेल्टर होम में ही रहेंगे। कोर्ट ने इस संबंध में ना केवल दिल्ली बल्कि अन्य राज्यों को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ना होगा। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कोई कुत्ते को खाना नहीं खिला सकता है। वहीं, शीर्ष न्यायालय ने इस संबंध में कानून बनाने की भी वकालत की है। आज के फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें दिल्ली एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने को कहा गया था। अपने फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कुत्तों को शेल्टर होम में नहीं रखा जाएगा,नसबंदी के बाद छोड़ दिया जाएगा।

सार्वजनिक स्थान पर नहीं खिला सकेंगे खाना

शीर्ष न्यायालय ने हर कम्युनिसिपल ब्लॉक में आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए अलग से जगह बनाने की बात कही। कोर्ट ने निर्देश देते हुए कहा कि केवल निर्धारित जगह पर ही कुत्तों को खाना दिया जाए। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जाएगा। अगर ऐसा करते हुए कोई पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कुत्तों को जहां से उठाया गया है, उन्हें उसी स्थान पर रिलोकेट किया जाएगा।

यूपी के मुरादाबाद में 'बैंड बाजा बारात' पर संकट

- देवी-देवताओं के नाम पर फंसे मुस्लिम संचालक!

मुरादाबाद (एजेंसी)। यूपी का मुरादाबाद जिला अक्सर विवादों के साये में रहता है। यहां एक और नया विवाद पैदा हो गया है। दरअसल शहर के एक वकील साहब ने सीएम पोर्टल पर ऐसी शिकायत कर दी कि पुलिस पसोपेश में पड़ गई। वकील शेबी शर्मा का आरोप है कि मुस्लिम बैंड संचालक पहचान छिपाकर हिंदू देवी-देवताओं के नाम से बैंड पार्टी चला रहे हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर बातचीत की है। बताया जा रहा है कि पुलिसवालों ने मुस्लिम बैंड वालों से हिंदू देवी-देवताओं के नाम हटाने के लिए कहा है। इस पर बैंडवालों ने समय मांगा है। हालांकि, पुलिस ने कोई आदेश नहीं जारी किया है। यह पूरा विवाद इतना बढ़ा कि एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह तक पहुंच गया। बैंडबाजा वालों का कहना है कि हम लोग सालों से इसी नाम से बैंड चला रहे हैं। उनका जो नाम चला आ रहा है उसे कैसे बदल सकते हैं। मुरादाबाद शहर में 500 से ज्यादा बड़े और छोटे बैंड संचालित होते हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 23 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मंदसौर और नरसिंहपुर के एसपी बदले

एमपी में 9 आईपीएस अफसरों के तबादले; अभिषेक रंजन को उज्जैन का एएसपी बनाया

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश शासन ने गुरुवार रात मंदसौर और नरसिंहपुर के एसपी बदल दिए। विनोद कुमार को मंदसौर का नया एसपी बनाया गया है। वहीं ऋषिकेश मीना नरसिंहपुर के नए एसपी होंगे। उज्जैन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर अभिषेक रंजन की पोस्टिंग की गई है। अभिषेक अभी सिंगरौली में एएसपी के पद पर पदस्थ हैं।

मृगाखी को एआईजी पीएचक्यू बनाया- गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में पुलिस उपायुक्त जोन 4 नगरीय पुलिस भोपाल जितेंद्र सिंह पवार को पुलिस उपायुक्त यातायात नगरीय पुलिस जिला भोपाल बनाया गया है। वहीं नरसिंहपुर की एसपी मृगाखी डेका एआईजी, पीएचक्यू में तैनात किया गया है। मंदसौर के एसपी अभिषेक आनंद को सेनानी प्रथम वाहिनी एसएएफ इंदौर बनाया गया है। ऋषिकेश मीना पुलिस उपायुक्त जोन 4 नगरीय पुलिस इंदौर को एसपी नरसिंहपुर पदस्थ किया गया है।

विनोद कुमार मंदसौर के नए एसपी होंगे- इसी तरह विनोद कुमार मीना पुलिस उपायुक्त जोन वन इंदौर को एसपी मंदसौर बनाया गया है। एएसपी उज्जैन मयूर खंडेलवाल को पुलिस उपायुक्त जोन 4 नगरीय पुलिस भोपाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आनंद कलगी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जबलपुर को पुलिस उपायुक्त जोन 4 नगरीय पुलिस इंदौर बनाया गया है। कृष्ण लाल चंदानी एएसपी ग्वालियर को पुलिस उपायुक्त जोन वन नगरीय पुलिस इंदौर बनाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की।

रेल भवन की तरफ से दीवार फांदा, गरुड़ द्वार तक पहुंचा

- संसद भवन की सुरक्षा में फिर हुई चूक, दबोचा गया शख्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन की सुरक्षा में फिर एक बार चूक का मामला सामने आया है। शुक्रवार सुबह एक व्यक्ति ने राज्यसभा भवन में अनधिकृत तरीके से घुसने की कोशिश की, जिसके बाद उसे सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया। यह घटना सुबह 6 बजे की है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, रेल भवन की तरफ से दीवार कूद कर नई संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुंच गया था। वहीं, राज्यसभा के एक अधिकारी ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा,एक व्यक्ति ने इमारत में घुसने का प्रयास किया।

कोलकाता में मोदी ने मेट्रो की नई लाइनों का किया शुभारंभ

- पीएम के कार्यक्रम में नहीं आईं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बनाई दूरी
- पीएम मोदी ने कहा-केंद्र से भेजा पैसा बंगाल सरकार लूट लेती है

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दौरे में कोलकाता पहुंचने पर एक बड़े इंतजार को खत्म कर दिया। उन्होंने कोलकाता मेट्रो की तीन नई लाइनों का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने कोलकाता मेट्रो में सफर भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान उन्हें काफी लोगों से बातचीत करने का मौका मिला। पीएम मोदी के कार्यक्रम में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौजूद नहीं रहीं। राज्य के राज्यपाल सीवी आनंद बोस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। रेल मंत्री की तरफ से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को कोलकाता मेट्रो रेल प्रोजेक्ट्स के शुभारंभ कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। कोलकाता मेट्रो के प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि कोलकाता जैसे शहरों का भारत की समृद्धि में बड़ी भूमिका है। पीएम मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रतीक है कि भारत के शहरों में कैसे ट्रांसपोर्ट आधुनिक हो रहा है। शहर तरक्की कर हैं। पीएम मोदी ने दमदम का भी नाम लिया।

सुप्रीम आदेश, बिहार एसआईआर में 'आधार' करें मान्य

- कहा-हटाए गए वोटर ऑनलाइन आवेदन भी कर सकेंगे
- राजनीतिक पार्टियों से एससी ने कहा, लोगों की मदद करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह हटाए गए वोटर्स को लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए फिजिकली के अलावा ऑनलाइन आवेदन की अनुमति भी दे। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि आधार कार्ड समेत फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा किया जा सकता है, इनमें ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल जैसे डॉक्यूमेंट शामिल हैं। कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों को मामले पर चुप्पी साधने के लिए भी फटकार लगाई और पूछा कि मतदाताओं की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। आपको आगे आना चाहिए। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से कई सवाल पूछे। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- राजनीतिक दलों की निष्क्रियता हैरान करने वाली है। राज्य की 12 पॉलिटिकल पार्टियों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं।

आपकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं। कोर्ट ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि राजनीतिक दलों के लगभग 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट होने के बावजूद, उनकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं।

फाइनल लिस्ट 30 सितंबर को आएगी- पिछली सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में कोई गैरकानूनी काम पाया गया तो वह इसके नतीजों को रद्द कर सकता है। सांसद मनोज झा के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि 65 लाख मतदाताओं को हटाना गैरकानूनी है। प्रशांत भूषण ने ईसीआई पर मतदाता सूची को गैर-खोज योग्य बनाने का आरोप लगाया। कोर्ट ने दस्तावेजों की कमी के दावों का विरोध करते हुए कहा कि हर किसी के पास कोई न कोई सर्टिफिकेट होता है। अभी सुनवाई जारी रहेगी।

दिल्ली सीएम पर हमले के बाद हटाए गए पुलिस कमिश्नर

- एएपी का आरोप, पुलिस सीसीटीवी फुटेज छिपा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर उनके आवास पर एक जनसभा के दौरान हमले के एक दिन बाद, गुरुवार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसबीके सिंह को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। उनकी जगह 1992 बैच के आईपीएस अफसर सतीश गोलचा को नियुक्त किया गया है। गोलचा 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान स्पेशल पुलिस कमिश्नर थे और पिछले साल अप्रैल में उन्हें डायरेक्टर जनरल (जेल) नियुक्त किया गया था। दिल्ली पुलिस ने राजेश भाई खिमजी के एक दोस्त को राजकोट से हिरासत में लिया है।

हालांकि, अभी स्पष्ट नहीं है कि वह सीएम पर हमले से जुड़े मामले में शामिल था या नहीं। पुलिस उन 10 लोगों पर नजर रख रही है जो कॉल और चैट के जरिए आरोपी के संपर्क में थे। पुलिस की एक टीम राजकोट में उन 5 और लोगों के बयान दर्ज करेगी जिनका डेटा आरोपी के मोबाइल से लिया गया है।

गुजरात में अब 8वीं के छात्र ने क्लासमेट को चाकू मारा

- खेलकूद में झगड़ा हुआ था, 3 दिन पहले 10वीं के स्टूडेंट की हत्या हुई थी

महीसागर (एजेंसी)। गुजरात में अहमदाबाद के बाद अब महिसागर जिले में 8वीं के स्टूडेंट पर चाकू से हमला करने की घटना सामने आई है। घटना बालासिनोर कस्बे के सरकारी स्कूल की है। गुरुवार की शाम स्टूडेंट्स छुट्टी के बाद स्कूल से निकल रहे थे। इसी दौरान क्लासमेट ने साथी छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के हमले में स्टूडेंट के कंधे, कमर और पेट में जख्म हो गए हैं। हालांकि, अस्पताल में भर्ती स्टूडेंट खतरे से बाहर है। पुलिस ने आरोपी स्टूडेंट के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (1), 118 (1) (2), 352 के तहत शिकायत दर्ज की है। खेलकूद के दौरान हुआ था विवाद पूछताछ में क्लास के अन्य स्टूडेंट्स ने बताया कि घटना के एक दिन पहले (20 अगस्त) को दोनों के बीच खेलकूद को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया। बच्चों ने बताया कि आरोपी स्टूडेंट बैग में चाकू रखकर लाया था। कुछ बच्चों ने उसे बैग से चाकू निकालते हुए भी देखा था। अहमदाबाद में 10वीं के छात्र की हत्या इससे पहले बीते 19 अगस्त को 10वीं के एक छात्र ने क्लासमेट की पेपर कटर मारकर हत्या कर दी थी। इन स्टूडेंट्स के बीच भी कुछ दिनों पहले मामूली सी बात पर कहासुनी हो गई थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी छात्र ने मंगलवार को स्कूल की छुट्टी होते ही छात्र नयन सिंधी पर बॉक्स कटर से हमला कर दिया।

मैं बीजेपी से आता हूं और संघ का स्वयंसेवक हूं

- केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने लेफ्ट के गढ़ में किया साफ
- बताया-वह किस तरह के भारत का सपना देखते हैं

तिरुवनंतपुरम/कोच्चि (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 के जश्न को लेकर जहां महाराष्ट्र के नागपुर मुख्यालय में तैयारियां शुरू हो गई हैं। बीजेपी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए संघ से आने वाले सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। इसके बीच शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोच्चि में खुद को स्वयंसेवक बताया। शाह ने एक कार्यक्रम में केरल की एलडीएफ सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि वह अपने कैडर के लिए फंड खर्च कर रही है। इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं भाजपा से आता हूं, संघ का स्वयंसेवक हूं। जब तक भारत महान नहीं बन जाता, तब तक हमें आराम करने का अधिकार नहीं है। आप सब को भी नहीं। शाह ने कहा कि उन्होंने ऐसे भारत के निर्माण की कल्पना की है, जिसका पूरा विश्व सम्मान करता हो और जो सबसे समृद्ध हो। गौरतलब हो कि पीएम मोदी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब शुक्रवार की सुबह की आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को चीफ गेस्ट बनाया है। दलित वर्ग से आने वाले कोविंद को मुख्य अतिथि बनाकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बड़ा संदेश दिया है। यह कार्यक्रम विजयादशमी के मौके पर संघ के मुख्यालय नागपुर में होगा। अमित शाह ने मनोरमा न्यूज के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि केरल के लोग यह महसूम कर रहे हैं कि उनके लिए काम करने वाली सरकार होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी कभी देश के विकास का इतिहास लिखा जाएगा तो पीएम नरेंद्र मोदी के 11 सालों का जिक्र होगा। उन्होंने केरल वहीं खड़ा है, जबकि उसके पास काफी सारी संभावनाएं हैं।

शाह ने कहा कि कम्युनिस्ट आइडियोलॉजी से जो उदासीन माहौल बनता है। वह केरल को रोक रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में केरल जरूर बदलाव और विकास के लिए वोट करेगा। ऐसा मुझे विश्वास है।

सवाई माधोपुर में बाढ़! 'पानी-पानी' हुआ शहर

रेलवे स्टेशन, ट्रेन और कई कॉलोनियां डूबीं

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। मौसम विभाग के अलर्ट के अनुरूप सवाई माधोपुर जिले में बीती रात से लेकर आज सुबह तक मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी। राहत की उम्मीद में शुरू हुई यह बारिश लोगों के लिए आफत बन गई। जिले के नदी-नाले उफान पर हैं, दर्जनों गांव जलमग्न हो गए हैं, और सैकड़ों घरों में पानी भर गया है। एनएच-552 पर उघाड़ की पुलिया टूटने से खंडार उपखंड का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है और राहत कार्यों में जुटा हुआ है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद बीती रात से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सुबह तक जारी रहा।

शिवपुरी में स्कूल वैन पुलिया से नीचे गिरी

- 14 बच्चे और एक शिक्षिका घायल; स्कूल संचालक स्टूडेंट्स को बैठाकर ड्राइव करना सीख रहा था

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी के बैराड़ थाना क्षेत्र के पोहरी-बैराड़ रोड पर शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, प्रथा विद्यापीठ स्कूल बैराड़ की टाटा सूमो वैन ,जिसमें करीब 16 बच्चे सवार थे, पुलिया से नीचे जा गिरी। हादसा सुबह लगभग 8 बजे हुआ। वैन में एलकेजी से लेकर 7वीं कक्षा तक के बच्चे सवार थे।

हादसे में एक शिक्षिका और 14 से अधिक बच्चे घायल हुए। ग्रामीणों की मदद से सभी को बैराड़ अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल बच्चों और शिक्षिका को जिला अस्पताल शिवपुरी रेफर किया गया और बाद में मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में भर्ती कराया गया।

स्कूल संचालक खुद ड्राइव कर रहा था- जानकारी के अनुसार, हादसे के समय वैन का मूल ड्राइवर मौजूद था, लेकिन स्कूल संचालक दीवान जाटव ने स्वयं वाहन चला लिया। बताया गया कि दीवान की बाइक पंक्चर हो गई थी, जिसके बाद उसने ड्राइवर को हटाकर वैन ड्राइविंग संभाल ली। संचालक के शौकिया ड्राइविंग के कारण मासूम बच्चों की जान खतरे में पड़ गई।

हादसे में घायल ये बच्चे घायल हुए- रिया पिता विनोद धाकड़ (6), कृष्णा पिता दयाराम जाटव (14), विनायक पिता वीरेन्द्र धाकड़ (6), दिव्यांश पिता मनीष धाकड़ (11), कार्तिक पिता मनीष धाकड़ (9), शेंकी जाटव पिता सिरनाम जाटव (12), श्रृष्टि जाटव पिता दीवान जाटव (8), राज जाटव पिता दीवान जाटव (6), हेमंत जाटव पिता दारा सिंह (12), सौम्या जाटव पिता धर्मेंद्र जाटव (7), योगेंद्र जाटव पिता दयाराम (12), मोहनी पिता विनोद (11), आयुष्मान पिता विनोद (5)।

वहीं, शिक्षिका सिंकी ओझा पिता रामस्वरूप (19) भी घायल हुई हैं। इसके अलावा वैन में स्कूल संचालक का भाई ब्रजेश जाटव और एक ड्राइवर भी सवार था।

स्कूल संचालक के खिलाफ केस दर्ज- हादसे में घायल कार्तिक जाटव की हालत गंभीर होने पर उसे ग्वालियर रेफर किया गया। पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह ने घटना की जानकारी लेने के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचकर बच्चों का हाल जाना।

बैराड़ थाना प्रभारी रवि शंकर कौशल ने बताया कि पुलिस ने स्कूल संचालक दीवान जाटव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

चंदन नगर की गलियों के नाम बिना अनुमति बदलने पर हंगामा, पार्षद पर एफआईआर

पूर्व विधायक की चेतावनी के बाद निगम की कार्रवाई, महापौर ने बोर्ड हटवाए

इंदौर। शहर के पश्चिमी इलाके चंदन नगर में लगे धर्म विशेष के साइन बोर्ड को लेकर फिर बवाल मच गया। नगर निगम की अनुमति के बिना लगे इन बोर्ड को लेकर महापौर ने नाराजगी जताई और इन्हें हटाने के साथ दोषियों के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए। साइन बोर्ड के खिलाफ विरोध बढ़ता देख निगम ने यह कार्रवाई की। यहां स्थानीय पार्षद ने गलियों और सड़कों के नाम बदलकर वहां नए बोर्ड लगवाए थे। इनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया। चंदन नगर क्षेत्र की सड़कें दशकों से चंदू वाला रोड, लोहा गेट रोड, मिश्रा रोड, आम वाला रोड नाम से पहचानी जा रही हैं। हाल ही में इन सड़कों के नाम बदलकर नए बोर्ड लगा दिए गए। इसमें चंदू वाला रोड को गौसिया रोड, लोहा गेट को रजा गेट, मिश्रा रोड को ख्वाजा रोड और आम वाला रोड को हुसैन रोड बताया गया। पार्षद फातिमा रफीक खान द्वारा नगर निगम की अनुमति लिए

बिना ही गोसिया रोड, सकीना मंजिल, रजा गेट और ख्वाजा गेट नाम से बोर्ड लगाए थे। यह कार्रवाई निगम की अनुमति और एमआईसी के प्रस्ताव के बिना की गई, जबकि ऐसी किसी भी कार्रवाई से पहले एमआईसी की बैठक में प्रस्ताव पास किया जाता है। मामला सामने आने के बाद पूर्व विधायक और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र आकाश विजयवर्गीय ने निगम आयुक्त को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करेंगे। आकाश विजयवर्गीय ने इसे संवेदनशील मुद्दा बताते हुए कहा कि बिना अनुमति के ऐसे नामकरण और बोर्ड लगाना कानून के खिलाफ है।

महापौर के एफआईआर के निर्देश

सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होने के बाद महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने तुरंत एक्शन लिया। उन्होंने निगम अधिकारियों को सभी अवैध बोर्ड हटाने के निर्देश दिए। महापौर ने यह भी कहा कि शहर में सड़कों का नामकरण, मूर्तियों की स्थापना और बोर्ड लगाने का अधिकार केवल एमआईसी के पास है। बिना प्रस्ताव पारित किए ऐसे कदम उठाना असंवैधानिक है।

मामले पर पार्षद पति की सफाई

बढ़ते विवाद के बीच पार्षद फातिमा रफीक खान के पति ने वीडियो जारी कर सफाई दी। उन्होंने कहा कि जिन बोर्डों को लेकर विवाद हो रहा है, वे नाम नए नहीं हैं। बल्कि, वर्षों से क्षेत्र इन्हीं नामों से पहचाना जाता रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड निगम द्वारा लगाए गए थे। फिलहाल, निगम की टीम ने सभी विवादित बोर्ड हटाना शुरू कर दिए हैं और पार्षद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

पत्रकार पर हमले के आरोपी का जुलूस निकाला, जिला बदर होगा

पुलिस ने लंगड़ाते आरोपी का गली-गली में जुलूस निकाला

इंदौर। पत्रकार सागर चौकसे पर हमला करने वाले आरोपी आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में बीते दिनों शराब के पैसों की मांग को लेकर आरोपी शुभम चौकसे और कुणाल पंवार ने पत्रकार पर हमला किया था, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को न केवल गिरफ्तार किया, बल्कि इलाके में जुलूस निकालकर जनता को भी संदेश दिया कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पकड़े गए आरोपियों पर जिला बदर की कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि दोनों आरोपी पहले भी जेल जा चुके हैं और

रिहा होने के बाद फिर से आपराधिक वारदात को अंजाम दिया। इस बार पुलिस ने साफ संकेत दिए हैं कि अब इन्हें कड़ी सजा दिलाने के लिए कोर्ट में मजबूत पैरवी की जाएगी। स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली है।

लोगों का कहना है कि दोनों आरोपी लंबे समय से इलाके में दहशत फैलाते आ रहे थे और अब इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई ज़रूरी है। पुलिस अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि शहर में अपराधियों को किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। ऐसी वारदातें बर्दाश्त नहीं होंगी और हर अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

रामबाग मुक्तिधाम में अस्थियों पर तंत्र क्रिया, सिर की हड्डियां गायब

शराब और सिगरेट से तंत्र साधना, सीसीटीवी कैमरे बंद मिले

इंदौर। रामबाग मुक्तिधाम में तंत्र क्रिया का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जैन समाज के एक बुजुर्ग का दाह संस्कार मुक्तिधाम में किया गया था। शुक्रवार को परिजन जब अस्थि संचय के लिए पहुंचे, तो वहां का दृश्य देखकर सन्न रह गए। शव के अवशेषों पर तांत्रिक सामग्री जैसे अंडे, शराब और सिगरेट पड़ी थी।

वहीं, परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्थियों में से सिर की हड्डियां भी गायब मिली। परिजनों ने तुरंत सफाई कर्मियों को बुलाकर स्थल की सफाई करवाई और इसके बाद अस्थि संचय किया। इस घटना से जैन समाज में गहरा आक्रोश है। परिजनों का कहना है कि तंत्र साधना सुनियोजित तरीके से की गई होगी, क्योंकि मुक्तिधाम के सीसीटीवी कैमरे भी बंद थे। इससे संदेह और गहरा गया। मुक्तिधाम प्रबंधक सुधीर दांडेकर का कहना है कि शाम 6 बजे तक उनके कर्मचारी उपस्थित रहते हैं। उसके बाद जिम्मेदारी नगर निगम की होती है। परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही। परिजनों ने आरोप लगाया कि धार्मिक स्थल पर इस तरह की गतिविधि को लेकर जैन समाज समेत अन्य वर्गों में गहरी नाराजगी है। समाजजन ने प्रशासन से मांग की है कि मुक्तिधामों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए और दोषियों को जल्द पकड़ा जाए।

इंदौर जिले में 15 इंच से अधिक वर्षा

इंदौर। जिले में जारी मानसून सत्र में अब तक 376.7 मिलीमीटर (लगभग 15 इंच) औसत वर्षा हो चुकी है। यह आंकड़ा गत वर्ष इस अवधि में दर्ज 498.5 (साढ़े 19 इंच से अधिक) मिलीमीटर औसत वर्षा से 121.8 मिलीमीटर (साढ़े चार इंच) कम है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 20 अगस्त की सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में वर्षामापी केंद्र इंदौर में 76.4 मिलीमीटर, महू में 8.3 मिलीमीटर, सांवेर में 9.3 मिलीमीटर, देपालपुर में 26.8 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 8.7 मिलीमीटर तथा हातोद में 14 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इसे मिलाकर जारी मानसून सत्र में अब तक वर्षामापी केंद्र इंदौर में 461.4 मिलीमीटर, महू में 430.2 मिलीमीटर, सांवेर में 356.3 मिलीमीटर, देपालपुर में 504.6 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 164.9 मिलीमीटर तथा हातोद में 342.9 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। इसी तरह गत वर्ष इस अवधि में वर्षामापी केंद्र इंदौर में 435.5 मिलीमीटर, महू में 394 मिलीमीटर, सांवेर में 553.7 मिलीमीटर, देपालपुर में 662 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 553.2 मिलीमीटर तथा हातोद में 392.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी।

मास्टर प्लान की सड़क का काम समय पर करें

इंदौर। आगामी गणेश चतुर्दशी को देखते हुए निगम ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने खजराना चौराहा के सर्विस रोड व लेफ्ट टर्न का निरीक्षण किया। इस दौरान खजराना ब्रिज के नीचे स्थित साइड को क्लीयर कर पौधारोपण के निर्देश दिए। जमजम चौराहा से एडंवास एकेडमी तक 29.25 करोड़ की लागत से निमार्णाधीन मास्टर प्लान की 1920 मीटर लंबाई एवं 30 मीटर चौड़ाई की सडक का अवलोकन कर उसे समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, मालवा मिल चौराहा से पाटनीपुरा चौराहा के मध्य निमार्णाधीन ब्रिज का निरीक्षण किया गया। महापौर ने निर्माण एजेंसी से कहा कि ब्रिज निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं मजबूती से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। सुरक्षा मापदंड का पालन करते हुए कार्य करें। इस ब्रिज का निर्माण पूरा होने से शहर के मध्य यातायात को बड़ी राहत मिलेगी तथा मालवा मिल चौराहा और पाटनीपुरा चौराहा के बीच का आवागमन अधिक सुगम एवं सुरक्षित हो जाएगा।

हाईटेंशन लाइन से टकराकर कारीगर की मौत

इंदौर। एल्युमिनियम सेक्शन का काम करने वाला कारीगर हाईटेंशन लाइन से टकरा गया, जिससे उसकी करंट लगने से मौत हो गई। जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। एरोड्रम थाना पुलिस के अनुसार, मृतक संजय पिता लखनलाल काकरवाल, निवासी राजनगर 24 जून को अपने भतीजे शुभम के साथ एमबीएस स्कूल में खिड़कियां लगाने गया था। दोनों दूसरी मंजिल पर एल्युमीनियम का फ्रेम फिट कर रहे थे। इसी दौरान फ्रेम पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। करंट लगते ही संजय नीचे गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शुभम करंट की चपेट में आकर झुलस गया। घायल शुभम ने किसी तरह चाचा को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक डॉक्टरों ने संजय को मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने जांच की तो यह सामने आया कि स्कूल संचालक दिनेश पिता लाल कुमावत निवासी नंदन नगर ने कार्यस्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे। शुभम के बयान के आधार पर पुलिस ने दिनेश के खिलाफ लापरवाही से मौत का केस दर्ज कर लिया है।

पहली पत्नी की हत्या सुपारी देकर कराई, पति और दूसरी पत्नी सहित 5 गिरफ्तार

पहले पति खुद हत्या करने वाला था, लेकिन पुलिस डर से सुपारी दी

इंदौर। विवाद के चलते पति ने अपनी दूसरी पत्नी और तीन अन्य सदस्यों के साथ मिलकर पहली पत्नी की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद पुलिस को गुमराह करने उसे दुर्घटना बता रहे थे, लेकिन पुलिस ने प्रयास से अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाकर मामले में पांच लोगों को आरोपी बनाकर गिरफ्तार कर लिया। कनाड़िया पुलिस के अनुसार, 14 अगस्त को क्षेत्र की महिला की संदेहास्पद स्थिति में मौत की सूचना मिली थी। इस पर धारा 194 में मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। जांच में मृतिका की पहचान रानी पति ईश्वर निवासी ग्राम कनाडिया के रूप में हुई। मृतिका की पीएम रिपोर्ट में सिर में गोली लगी होने से मृत्यु होना बताने पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1), 238, 61(2) का प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया था। सहायक पुलिस आयुक्त कुंदनसिंह मंडलोई ने इस अंधेकत्ल के आरोपियों को पकड़ने टीम गठित की थी।

ऐसे मिला पुलिस को सबूत- टीम ने मृतक के मायके और ससुराल पक्ष के परिजनों के कथन लिए। इसमें पता चला कि मृतक की शादी 2014 में हुई थी। उसकी 7 साल की बेटी,

5 साल का बेटा है। शादी के कुछ साल तक सब ठीक रहा। इसके बाद पति-पत्नी का आए दिन छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगा। इसके चलते ईश्वर (पति) ने तोषिका नाम की महिला से दूसरी शादी भी कर ली थी। दूसरी शादी करने का रानी ने विरोध किया। लगातार विवाद होने के बाद पति, तोषिका ने रानी की हत्या की सुपारी दे दी।

रास्ते में रोककर मारा- पुलिस ने मामले में आरोपी ईश्वर सोनगरा निवासी ग्राम कनाडिया, तोषिका निवासी ग्राम कनाड़िया, अमन मिमरोट निवासी गणराज नगर खजराना, मोहम्मद समद निवासी गोसिया मंदिर के सामने खजराना तथा मुजफ्फर खान निवासी गांधी ग्राम कालोनी खजराना को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमन ने पूछताछ में बताया कि ईश्वर एक माह से रानी की हत्या की योजना बना रहा था। पहले वह खुद हत्या करना चाहता था, लेकिन पुलिस के डर से उसने इरादा बदल दिया और हत्या के लिए हमें (तीनों आरोपियों को) ईश्वर ने 20 हजार रुपए दिए थे। इसके बाद मृतक के आने जाने का रास्ता बताया था। घटना कारित करने मृतक जिस स्कूल में सफाई का काम करती थी, वहां मैं और दोनों साथी मोहम्मद समद, मुजफ्फर खान पहुंच गए थे। जैसे ही मृतक स्कूल से निकलकर कुछ दूर पहुंची तभी गोली मारकर भाग? निकले। घटना के बाद पति को सूचना दी। वह मौके पर पहुंचा और उसे मृतक को घर ले आया।

खून साफ कर सूचना दी - घर पर लाकर ईश्वर और तोषिका ने मृतक के सिर से बह रहा खून साफ किया और उसके मायके वालों को कॉल पर बताया कि रानी एक्सीडेंट में घायल हो गई है। यह सुनकर मायके वाले रानी के ससुराल और उसके बाद अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पति को मुस्लिम बनने पर मजबूर किया जिला कोर्ट ने बहू पर एफआईआर की

पति ने मना किया तो महिला ने आत्महत्या करने की धमकी दी

इंदौर। जिला कोर्ट में अनोखा मामला सामने आया है। इसमें हिंदू बहू ने पति को मुस्लिम धर्म अपनाने पर मजबूर किया। जब पति नहीं माना तो उस प्रताड़ित किया। मामले में कोर्ट ने बहू के खिलाफ घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एडवोकेट कृष्ण कुमार कुन्हारे ने बताया कि मरी माता क्षेत्र की युवती का विवाह अप्रैल 2022 में एरोड्रम इलाके के युवक से हुआ था। महिला विवाह के बाद केवल 15-20 दिन ही ससुराल में रही। इस दौरान वह ससुराल में ही अपने मुस्लिम मित्रों के प्रभाव में आकर मुस्लिम धर्म की इबादत करने लगी। ससुराल वालों का आरोप है कि बहू दरगाह जाकर ताबीज, भभूत और फल लाकर जबरदस्ती पति को खिलाने लगी। जब धर्म परिवर्तन के लिए पति ने मना किया तो महिला ने हाथ की नस काटकर आत्महत्या करने की धमकी दी।

पति और सास पर दबाव- ससुराल वालों ने बताया कि एक दिन बहू ने अपनी अलमारी से सभी जेवर निकाल लिए और कहा कि वह अल्लाह के सजदे में जा रही है। उसने पति से भी साथ चलने का दबाव बनाया। इसके बाद 17 मार्च 2024 को महिला अपने मायके वालों और दोस्तों के साथ ससुराल आई और 10 लाख रुपए की मांग की। इसी दौरान उसने पति को धर्म बदलने का दबाव बनाकर धमकाया। ससुराल पक्ष ने पुलिस को बुलाया, लेकिन महिला और उसके साथी मौके से चले गए।

शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं- परिवार ने वर्ष 2024 में ही पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी थी। एरोड्रम थाने में मामला दर्ज भी हुआ, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद भी बहू लगातार ससुराल पर दबाव बनाती रही।

धर्म छुपाकर करता रहा युवती का शोषण, युवक को पुलिस को सौंपा

इंदौर। वर्ग विशेष के युवक धर्म और नाम छिपाकर युवती से दोस्ती कर रहे हैं। इसके बाद उनका शारीरिक शोषण करने लगे हैं। ऐसा ही एक मामला आजाद नगर थाना क्षेत्र में सामने आया है। यहां वर्ग विशेष के युवक ने युवती को झांसे में लेकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जानकारी मिलने पर बजरंग दल वालों ने युवक को पकड़ा और आजाद नगर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए युवक का नाम अमन खान है, लेकिन उनसे इंस्टा पर एक युवती से दोस्ती की तो उसे अपना नाम अमन साहू बनाया। वह अपना धर्म छुपाकर युवती से मिलता रहा, उसे प्रेम के जाल में फंसाया और कई बार रेप भी किया। युवती ने शादी की बात की तो अमन ने कहा कि वह मुस्लिम है। शादी के लिए धर्म बदलना होगा। 26 वर्षीय युवती सीहोर की निवासी है और वह नौकरी के सिलसिले में इंदौर आई थी। उसने पालदा नगर क्षेत्र में मकान किराए पर लिया था। उसकी पहचान सोशल मीडिया पर अमन से हुई थी। दोनों पहली बार रेस्टोरेंट में मिले। उनसे खुद का नाम अमन साहू बताया था। फिर मुलाकातों का सिलसिला बढ़ने लगा। एक दिन अमन उसके रुम पर आया और बातों से बहकाया और शारीरिक संबंध बना लिए। कुछ दिनों बाद पता युवती को पता चला कि अमन का असली सरनेम साहू नहीं खान है। युवती से अमन ने कहा कि वह शादी के लिए उसका धर्म बदल लेगा, लेकिन बाद में वह युवती पर धर्म बदलने का दबाव बनाने लगा। कुछ दिनों पहले उसने युवती से मारपीट भी की और सोशल मीडिया पर युवती के साथ फोटो वायरल करने की धमकियां भी देने लगा।

न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में इंदौर के जाकिर के शो का रिकॉर्ड

वे ऐसा करने वाले वे हिंदी के पहले स्टैंड अप कॉमेडियन

इंदौर। मशहूर स्टैंड अप कॉमेडियन जाकिर खान ने न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हिंदी में परफॉर्मेंस देकर न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि भारत का नाम भी रोशन किया। ऐसा करने वाले वह पहले हिंदी कॉमेडियन बन गए हैं। भारतीय स्टैंड अप कॉमेडियन जाकिर खान ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। मूलतः इंदौर के रहने वाले जाकिर ने काफी संघर्ष के बाद यह सफलता पाई है।

सोशल मीडिया पर जाकिर खान का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ऑडियंस उनकी परफॉर्मेंस के बाद खड़े होकर तालियां बजाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को खुद जाकिर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए खास कैप्शन लिखा। जिसमें उन्होंने कहा कि मैडिसन स्क्वायर गार्डन में खड़े होकर

मिनटों तक तालियां बजने लगीं। उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ कई सेलेब्स ने भी रिएक्ट किया और जाकिर की तारीफ की।

ऑडियंस से स्टैंडिंग ओवेशन- वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जाकिर परफॉर्मेंस के बाद मंच पर खड़े हैं और पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज रहा है। लोग खड़े होकर उनकी सराहना कर रहे हैं। इस दौरान जाकिर हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर सबको धन्यवाद करते हैं। उनका यह अंदाज हर किसी का दिल जीत लेता है। जाकिर खान के इस ऐतिहासिक परफॉर्मेंस पर एक्टर विनीत कुमार सिंह और एक्ट्रेस एहसास चन्ना ने कमेंट कर बधाई दी। वहीं यूट्यूबर भुवन बाम ने भी जाकिर को इस खास उपलब्धि के लिए शाबाशी दी। फैंस भी लगातार उनके वीडियो को शेयर कर रहे हैं और उन्हें भारत का असली स्टार बता रहे हैं। जाकिर खान के इस ऐतिहासिक परफॉर्मेंस पर एक्टर विनीत कुमार सिंह और एक्ट्रेस एहसास चन्ना ने कमेंट कर बधाई दी। वहीं यूट्यूबर भुवन बाम ने भी जाकिर को इस खास उपलब्धि के लिए शाबाशी दी। फैंस भी लगातार उनके वीडियो को शेयर कर रहे हैं और उन्हें भारत का असली स्टार बता रहे हैं।

खुद का सपना किया पूरा- इसके अलावा जाकिर ने एक और वीडियो शेयर किया है जिसमें वह होटल से निकलकर मैडिसन स्क्वायर गार्डन की ओर जा रहे हैं। रास्ते में वह फैंस के साथ सेल्फी भी लेते नजर आए। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि मैंने करके देख लिया, हो जाता है। एक ही दिन में न्यूयॉर्क का टाइम्स स्क्वायर जाम हो गया। सपना साकार हो गया है।

आरपीएफ ने सात महीने में कई प्रभावी कदम उठाए, जीवन रक्षा की व बदमाशों को पकड़ा

20,227 प्रकरण दर्ज कर 20,131 को गिरफ्तार कर 44,69,920 जुर्माना वसूला

इंदौर। रेल सुरक्षा बल के जवानों ने इस साल जनवरी से जुलाई तक काफी सराहनीय कार्य किया है। रेलवे सुरक्षा बल के जवानों की तत्परता एवं ड्यूटी के दौरान सतर्कता के कारण जहां अपने परिवार से बिछड़े हुए बच्चों को उनके परिवार से मिलाने का कार्य किया है वहीं ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत यात्रियों जान बचाकर एक देव तुल्य कार्य को भी अंजाम दिया है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा यात्रियों की सुरक्षा एवं रेलवे संपत्ति की रक्षा के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों जैसे ऑपरेशन नन्हें फ़रिश्ते, ऑपरेशन अमानत, ऑपरेशन रेल सुरक्षा, ऑपरेशन सतर्क के तहत सफलता अर्जित की गई हैं। रतलाम मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रामराज मीणा के निर्देशन में उल्लेखनीय कार्य किया। रेलवे अधिनियम के विभिन्न धाराओं के अंतर्गत रतलाम मंडल पर इस वर्ष जनवरी से जुलाई 2025 तक कुल 20,227 प्रकरण दर्ज कर 20,131 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा

?44,69,920 का जुर्माना वसूला गया। ऑपरेशन रेल सुरक्षा के अंतर्गत रेलवे संपत्ति की चोरी से संबंधित 32 प्रकरण दर्ज कर 4,02,879 की संपत्ति बरामद की गई तथा 72 बाहरी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार 'ऑपरेशन उपलब्ध' के तहत रेलवे अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत 12 प्रकरण दर्ज कर 16 दलालों को गिरफ्तार किया गया। मानवीय पहल के रूप में भी आरपीएफ ने सराहनीय कार्य किए हैं। ऑपरेशन नन्हें फ़रिश्ते के अंतर्गत 95 असहाय एवं लापता नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बचाकर उनके परिजनों, चाइल्ड हेल्पलाइन या पुलिस को सौंपा गया। इसी प्रकार ऑपरेशन डिग्निटी के अंतर्गत 31 असहाय महिलाओं एवं पुरुषों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। वहीं ऑपरेशन अमानत के दौरान यात्रियों का खोया अथवा लावारिस पाया गया 569 सामान, जिसकी कीमत 87,14,611 थी, आरपीएफ द्वारा उनके वास्तविक मालिकों को लौटाया गया। अवैध गतिविधियों की रोकथाम में भी उल्लेखनीय सफलता मिली।

ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत आरपीएफ ने 11 मामलों में अवैध शराब एवं नशीले पदार्थों की बरामदगी की, जिनकी कीमत 37,88,725 आंकी गई और 13 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर जीआरपी को आगे की कार्यवाही हेतु सौंपा गया। इसके अतिरिक्त ऑपरेशन जीवन रक्षा के दौरान 4 व्यक्तियों को समय पर बचाकर उनकी जान बचाई गई। रेलवे परिसरों की सुरक्षा हेतु चलाए गए ऑपरेशन रेल प्रहरी में कुल 9 प्रकरण दर्ज किए गए और आरोपियों को जीआरपी और स्थानीय पुलिस को सौंपा गया। साथ ही ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्री सामानों के चोरी से संबंधित कुल 30 के प्रकरणों में 13 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई हेतु जीआरपी को सौंपा गया। रतलाम मंडल के आरपीएफ द्वारा की गई ये सभी कार्यवाहियां यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा तथा मानवीय दायित्वों के निर्वहन की दिशा में एक सशक्त पहल हैं।

संपादकीय

शुद्धिकरण या विपक्ष की नसबंदी ?

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकभसा में जो 130वां संशोधन बिल प्रस्तुत किया, उस पर हंगामा होना ही था। मोदी सरकार इसे राजनीति को भ्रष्टाचार के मुक्त करने का कानूनी प्रयास बता रही है तो विपक्ष का सीधा आरोप है कि यह विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने तथा उन्हें सत्ता से बेदखल करने की नीयत से लाया गया कानून है। इसका दुरूपयोग होने की संभावना ही ज्यादा दिख रही है। हालांकि सरकार का कहना है कि इस कानून से वो ही डरेंगे, जो भ्रष्ट हैं। संसद के दोनों सदनों में इस बिल पर विपक्षी सदस्यों ने भारी हंगामा किया। एक सदस्य ने तो बिल के टुकड़े कर अमित शाह पर ही उछाल दिए। विपक्ष का यह भी कहना था कि बिल संविधान की भावना के विपरीत और जनादेश को अपमानित करने वाला है। लोकसभा में यह बिल प्रस्तुत करते हुए बिल के प्रावधानों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिल के अनुसार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री के खिलाफ कोई केस दर्ज होता है और वह तीस दिन जेल में रहता है, तो स्वतः मंत्री पद से हट जाएगा। इस बिल का कांग्रेस, टीएमसी, राजद के साथ ही एआईएमआईएम ने भी कड़ा विरोध किया है।

विपक्षी दलों ने कहा कि मोदी सरकार वन मैन, वन पार्टी लागू करना चाहती है। ये बिल पास हो गया, तो लोकतंत्र पूरी तरह खत्म हो जाएगा। कहने को पीएम, सीएम सब पर लागू होगा, लेकिन ईडी और सीबीआई के अधिकारी, जिन्हें अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी ही चुनते हैं, वे उन्हीं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने या उन्हें गिरफ्तार करने की कभी हिम्मत ही नहीं कर सकते। जाहिर है विपक्ष शासित राज्यों को गुलाम बनाने या उन्हें सत्ता से बाहर करने का यह जरिया बन जाएगा। टीएमसी की प्रमुख और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस कानून का पुरजोर विरोध होगा तथा इसे किसी भी कीमत पर पारित नहीं होने दिया जाएगा। देश में अब तक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री के गिरफ्तार होने या जेल जाने पर इस्तीफा देने का कोई स्पष्ट नियम नहीं था। अरविंद केजरीवाल 156 दिन तिहाड़ जेल में रहते हुए भी दिल्ली के मुख्यमंत्री बने रहे। झारखंड के हेमंत सोरेन भी सीएम रहते जेल गए। तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी जेल में रहते हुए भी अपने पद पर बने रहे। सेंथिल को तो सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद ही इस्तीफा देना पड़ा था। विपक्ष का आरोपों को नकारते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जनता का भरोसा कायम रखना लोकतंत्र की आत्मा है। मंत्री पद पर बैठा व्यक्ति अगर संदेह के घेरे में है, तो उसे पद छोड़ना ही चाहिए। यह प्रक्रिया स्वतः लागू होगी। अगर मंत्री कोर्ट से बरी हो जाता है, तो दोबारा पद पर लौट सकता है। हालांकि यह संविधान संशोधन बिल है, ऐसे में इसे पारित कराना आसान नहीं होगा। एक संभावना यह भी बन रही है कि अगर विपक्ष संयुक्त संसदीय समिति में शामिल होता है और उसके सुझावों को सरकार मान लेती है, जिसमें यह कहा जा सकता है कि न्यायिक हिरासत की बजाय सजा होने पर ही इस्तीफे को अनिवार्य बनाया जाए, तब संभावना बन सकती है कि विपक्षी दल उसका समर्थन करें। जेल वाली बात पर तो कोई सहमत नहीं होगा। विपक्ष की यह चिंता जायज है कि चूंकि केन्द्र में भाजपानीत सरकार बैठी है, इसलिए जांच एजेंसियों पर उसी का नियंत्रण है। ईडी, सीबीआई किसी के भी खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज सकते हैं। यानी सवाल नीयत का है। सरकार कितनी भी सफाई दे, विपक्ष का उस पर सहमत होना कठिन है।

इस अशोभनीय स्थिति का अंत हो तो कैसे

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनाव आयोग ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट बोला है कि या तो जो आरोप लगा रहे हैं उसका प्रमाण दें नहीं तो क्षमा मांगे। दूसरी ओर बिहार में वोट अधिकार यात्रा के नाम से यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने सासाराम में यात्रा आरंभ करते हुए कहा कि न हम चुनाव आयोग से डरने वाले हैं और न तेजस्वी यादव। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों - सलाहकारों तथा इनके पिछले लंबे समय से चुनाव आयोग और संपूर्ण चुनाव प्रणाली की साख पर चोट करने के लगातार अभियानों पर दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा पहले अपने आरोपों पर शपथ पत्र मांगने के विरुद्ध उनकी प्रतिक्रिया थी कि मुझे शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने यह तर्क दे दिया कि मैंने संविधान की शपथ लिया है तो उससे बड़ा शपथ क्या हो सकता है।

यह अभूतपूर्व अशोभनीय और अनेक अर्थों में अस्वीकार्य व आपत्तिजनक स्थिति है। देश के कुछ नेता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग के विरुद्ध संसद से सड़क तक अभियान चलाएं इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। अगर आईएनडीआईए सांसदों की बैठक में चुनाव आयोग के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव जैसा प्रस्ताव लाने की बात उठी तो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे डरावनी स्थिति कुछ हो ही नहीं सकती। हालांकि इस सत्र का अवसान हो रहा है और इसमें प्रस्ताव आ नहीं सकता। दूसरे, प्रस्ताव आया भी तो सदस्य संख्या के हिसाब से यह गिर जाएगा। किंतु इस पर विचार होना ही अंदर से हिला देने वाला है।

चुनाव आयोग ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट बोला है कि या तो जो आरोप लगा रहे हैं उसका प्रमाण दें नहीं तो क्षमा मांगे। दूसरी ओर बिहार में वोट अधिकार यात्रा के नाम से यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने सासाराम में यात्रा आरंभ करते हुए कहा कि न हम चुनाव आयोग से डरने वाले हैं और न तेजस्वी यादव। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों - सलाहकारों तथा इनके पिछले लंबे समय से चुनाव आयोग और संपूर्ण चुनाव प्रणाली की साख पर चोट करने के लगातार अभियानों पर दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा पहले अपने आरोपों पर शपथ पत्र मांगने के विरुद्ध उनकी प्रतिक्रिया थी कि मुझे शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने यह तर्क दे दिया कि मैंने संविधान की शपथ लिया है तो उससे बड़ा शपथ क्या हो सकता है। साफ है कि जब वह बार-बार चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट बता रहे हो और आईएनडीआईए के घटकों से उन्हें समर्थन भी मिल रहा हो तो वे क्यों पीछे हटेंगे? भारतीय राजनीति में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गरिमा और मर्यादा का भाव होता तो चुनाव आयोग के विरुद्ध इस तरह की भाषा प्रयोग नहीं की जाती।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सबसे बडा हमला करते हुए अपने 1 घंटे 11 मिनट के वक्तव्य में 21 पृष्ठों के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से साबित करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाता सूची में जबरदस्त गड़बड़ी करता है और जहां भाजपा को चुनाव में पराजित होना चाहिए वहां मतदाताओं की फर्जी संख्या के आधार पर जीत दिला देता है। चुनाव आयोग के विरुद्ध नई लड़ाई का आरंभ उन्होंने बिहार में 17 अगस्त से 2 सितंबर तक की वोट अधिकार यात्रा से कर दिया। इसका फोकस ही चुनाव आयोग और उसके द्वारा आरंभ एसाईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान है। राहुल गांधी का पूरा अभियान सुनियोजित है। कांग्रेस पार्टी द्वारा एक वेब पोर्टल बनाकर लोगों से कहा गया है कि कि चोरी के वीरुद्ध जवाब दें तथा डिजिटल मतदाता सूची के मांग का समर्थन करें। कहने का तात्पर्य कि लंबी तैयारी से कांग्रेस पार्टी ने इसे आरंभ किया है। चूंकि इस तरह कभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को चुनाव आयोग के विरुद्ध आरोप लगाते और अभियान छेड़ते नहीं देखा गया इसलिए यह निष्कर्ष निकालना कठिन है कि आखिर इसका परिणाम क्या आएगा? इसका अंत कैसे होगा? इसका अंत होगा या नहीं?

आखिर चुनाव आयोग क्या करे? राहुल गांधी ने कर्नाटक के मध्य बेंगलुरु संसदीय क्षेत्र के महादेवपूरा

विधानसभा का अपने दृष्टि से आंकड़ा दिया उस पर पहले ही कर्नाटक चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण आ चुका है। उन्होंने पांच विधानसभा में जीतने और एक में भाजपा के वोट बढ़ जाने से पराजय को चुनाव आयोग की चोरी बता दिया। उनके अनुसार दोनों पार्टियों को मिले वोटों का अंतर 32,707 था लेकिन महादेवपुरा की गणना में अंतर 1,14,046 का रहा। तो 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों जगह भाजपा की बढ़त के लिए चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। पहले कर्नाटक चुनाव आयोग ने एक महिला मतदाता शकुन रानी द्वारा दो बार वोट डालने के आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि आपने जो दस्तावेज दिए उसको मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर वाले नहीं थे, आपको कहां से यह जानकारी मिली बताएं? अन्य मतदाता भी सामने आए तथा बताया कि वह उन्होंने एक ही जगह वोट डाला है। राहुल गांधी ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया। उनको उत्तर देना भी नहीं है। उनको पता है कि महाराष्ट्र के धुले लोकसभा सीट पर। भाजपा भी पांच विधानसभा में आगे थी लेकिन मालेगांव सेंट्रल में कांग्रेस को 1 लाख 94000 वोट आ गए और वह जीत गई। राहुल गांधी इन तथ्यों से अप्रभावित होकर चुनाव आयोग के विरुद्ध अपने अभियान पर कायम हैं। उनके पहले के आरोपों पर भी चुनाव आयोग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उत्तर दिया। एक संवैधानिक संस्था की सीमाएं होती है और वह यही कर सकता था। चुनाव आयोग ने वक्तव्य जारी किया कि आप फर्जी मतदाताओं का आरोप लग रहे हैं तो नियम के अनुसार शपथ पत्र दीजिए ताकि निर्धारित प्रक्रिया से जांच की जाए। आयोग ने नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया तो राहुल गांधी सारे विपक्षी सांसदों को लेकर जाने लगे। यह क्या है?

चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया ही। इसका अर्थ था कि मतदाता सूची बनाने वालों से कई बार गलतियां हो सकती हैं। यह सच है। अपवादस्वरूप पूरे देश में ऐसे मतदाता होंगे जिनके नाम दो स्थानों पर हो सकते हैं। एक जगह पहले नाम रहा हो और उन्होंने वह जगह छोड़ने के बाद दूसरी जगह भी मतदाता के नाते पंजीकरण कराया हो और पहले वाले को रद्द नहीं कराया हो। कुछ लोग ऐसे भी हो सकते हैं जो अवसर मिलने पर दोनों जगह मतदान कर दें। किंतु चुनाव आयोग जानबूझकर योजनापूर्वक ऐसा कर रहा है और वह भी केवल भाजपा का वोट बढ़ाने के लिए यह आरोप भयानक है। अगर चुनाव आयोग किसी पार्टी के पक्ष में है तो हमारी पूरी चुनाव प्रणाली ही पतित है और इसका अंत होना चाहिए। बिना जन आधार के भाजपा चुनाव आयोग द्वारा भ्रष्ट प्रणाली से सत्ता प्राप्त कर रही है तो शासन पर उसकी नैतिक अधिकारही समाप्त हो जाता है। इस तरह यह जघन्य आरोप है। इससे हमारी पूरी लोकतांत्रिक प्रणाली है की साख ही प्रश्नों के घेरे में आ जाती है।

इस दृष्टि से देखें तो राहुल गांधी और उनके सुर में ताल मिलाते विपक्ष के इस अभियान की भयानक गंभीरता समझ में आती है। कहा जा रहा है कि आरोप चुनाव आयोग पर है और जवाब भाजपा दे रही है। चुनाव आयोग भी जवाब दे रहा है। गहराई से देखें तो केंद्रीय सत्ता में होने के कारण आरोप भाजपा पर ही है। आखिर चुनाव आयोग ऐसा कर रहा है तो उसके पीछे कुछ लालच या फिर सत्ता का दबाव ही हो सकता है। यानी भाजपा सत्ता पर कब्जा करने के लिए चुनाव आयोग में शीर्ष से नीचे तक ऐसे लोगों की नियुक्तियां करता है जो उनके लिए ही काम करे और न करने वालों के विरुद्ध परोक्ष तरीके से कदम उठाता है। किसी पार्टी पर यह आरोप लगाए कि उसकी सत्ता तो केवल चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी करने या लूटने के कारण है तो वह उत्तर देगा या नहीं? दूसरे , सरकार मानती है कि सारे आरोप आधारहीन एवं गलत इरादे से लगाए जा रहे हैं तो उसका स्वाभाविक दायित्व संवैधानिक संस्थाओं पर लगने वाले आरोपों के विरुद्ध खड़ा होना तथा इसका अंतिम सीमा तक खंडन करना है। सत्तासीन पार्टी या घटक द्वारा ऐसा न करने का अर्थ सारे आरोपों को मौन रहकर स्वीकार करना माना जाएगा। चुनाव चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट नहीं है कि वह अपनी ओर से संज्ञान लेकर मुकदमा शुरू कर दे और सजा भी दे दे। लेकिन आरोप लगाना और खंडन करना भी अंतहीन नहीं हो सकता। प्रश्न यही है कि आखिर इस अशोभनीय स्थिति का अंत कैसे हो? उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियां भी राहुल गांधी एवं विपक्ष को नहीं रोक पा रही। इसलिए स्थिति ज्यादा विकेट है।

मनोरंजन, रोजगार और जिम्मेदारी में संतुलन की तलाश

ऑनलाइन गेमिंग बिल

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

भारत में डिजिटल क्रांति के बाद से मोबाइल और इंटरनेट ने जिस तरह लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, उसमें ऑनलाइन गेमिंग का संसार सबसे अधिक आकर्षक और विवादित रहा है। स्मार्टफोन की बढ़ती पहुँच, तेज़ इंटरनेट और युवाओं के बीच डिजिटल प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता ने इस क्षेत्र को तेजी से विस्तार दिया है। लेकिन जहाँ एक ओर ई-स्पोर्ट्स और कौशल-आधारित खेलों ने भारत को विश्व मानचित्र पर जगह दिलाई है, वहीं दूसरी ओर पैसे के दाँव पर खेले जाने वाले खेल, बेटिंग ऐप्स और जुए जैसी प्रवृत्तियों ने समाज और सरकार दोनों को चिंतित किया है। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग बिल को मंजूरी दी है। यह बिल न केवल आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि भविष्य में भारत की डिजिटल नीति की दिशा भी तय करेगा।

यह बिल स्पष्ट रूप से कहता है कि कोई भी वास्तविक धन पर आधारित गेमिंग या ऑनलाइन सट्टेबाज़ी प्रतिबंधित होगी। इसके साथ ही ऐसे खेलों के विज्ञापन, प्रचार और वित्तीय लेन-देन पर भी रोक लगाने का प्रावधान है। इसका सीधा मतलब है कि बैंक और वित्तीय संस्थान किसी भी रूप में ऐसे खेलों से जुड़े लेन-देन को प्रोसेस नहीं करेंगे। इस प्रावधान से सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पैसे के लालच में जुए जैसी प्रवृत्तियाँ समाज में न फैलें।

परंतु इस बिल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह ई-स्पोर्ट्स और कौशल-आधारित गैर-आर्थिक गेमिंग को बढ़ावा देता है। सरकार ने साफ किया है कि उसे खेल के रूप में ई-स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करना है। आने वाले समय में 'नेशनल ई-स्पोर्ट्स अथॉरिटी' जैसी संस्था की स्थापना की जा सकती है, जो ई-स्पोर्ट्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधि बनाने की दिशा में काम करेगी। यह कदम न केवल डिजिटल खेलों को वैधता देगा बल्कि उन लाखों युवाओं को भी अवसर देगा जो गेमिंग को कैरियर बनाना चाहते हैं।

इस बिल का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके तहत सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) को केंद्रीय नियामक की भूमिका सौंपी गई है। मंत्रालय को यह अधिकार होगा कि वह गैर-पंजीकृत या अवैध गेमिंग प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर सके। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों से बचाने के उद्देश्य से की गई है। भारत में अब तक ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नियम अलग-अलग राज्यों में अलग थे। कहीं इसे वैध माना गया तो कहीं प्रतिबंधित। ऐसे में एक राष्ट्रीय स्तर की रूपरेखा बनाना समय की मांग थी।

यह बिल केवल नियम-कानून का दस्तावेज़ नहीं है बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी हैं। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि ऑनलाइन बेटिंग और वास्तविक धन से जुड़े खेलों की लत ने कई युवाओं की ज़िंदगियाँ बर्बाद कर दी हैं। कई मामलों में लोगों ने कर्ज़ लेकर खेला और परिवार तबाह हो गए। बच्चों में भी मोबाइल गेम्स की लत मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रही है। सरकार को यह भी एहसास है कि इस समस्या को रोकना उतना ही ज़रूरी है जितना मादक पदार्थों की लत को रोकना। कई विशेषज्ञों ने तो इसे नशे से भी खतरनाक बताया है क्योंकि यह बिना किसी भौतिक पदार्थ के सीधे दिमाग़ पर नियंत्रण कर लेती है।

हालाँकि उद्योग जगत का पक्ष बिल्कुल अलग है। गेमिंग इंडस्ट्री का कहना है कि इस बिल से लगभग दो लाख नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है और सरकार को हर साल मिलने वाले बीस हज़ार करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व पर भी असर पड़ सकता है। 'ड्रीम11', 'गेम्स24×7', 'विन्ज़ो' जैसी कंपनियाँ लंबे समय से करोड़ों रुपये का कारोबार कर रही हैं। उनका कहना है कि यदि घरेलू प्लेटफॉर्म को पूरी तरह रोक दिया गया तो उपयोगकर्ता विदेशी और ऑफशोर प्लेटफॉर्म की ओर रुख करेंगे, जहाँ न तो सरकार का कोई नियंत्रण होगा और न ही उपभोक्ताओं की सुरक्षा। इससे उल्टा नुकसान ही होगा।

इस बहस में दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें हैं। सरकार का तर्क है कि समाज को जुए और नशे की लत से बचाना ज़रूरी है, वहीं उद्योग जगत मानता है कि यह क्षेत्र देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है और इसे खत्म करना युवाओं के रोजगार और नवाचार दोनों के लिए नुकसानदायक होगा। असली चुनौती यही है कि सही संतुलन कैसे कायम किया जाए।

बिल के समर्थकों का कहना है कि इस कदम से न केवल सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी बल्कि युवाओं की ऊर्जा सही दिशा में लगेगी। ई-स्पोर्ट्स को प्रोत्साहन देकर भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत सकता है, जैसा कि हमने बैडमिंटन, कुश्ती या क्रिकेट में देखा है। इसके अलावा गैर-आर्थिक गेम्स को बढ़ावा देने से बच्चों का मनोरंजन भी सुरक्षित दायरे में रहेगा।

दूसरी ओर आलोचकों का मानना है कि सरकार को 'पूर्ण प्रतिबंध' की बजाय 'कड़े नियमन' का रास्ता चुनना चाहिए था। यदि धन-आधारित गेमिंग को लाइसेंस प्रणाली और कड़े कराधान के तहत नियंत्रित किया जाता तो न केवल सरकार को राजस्व मिलता बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी बनी रहती। पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से समस्या यह है कि लोग भूमिगत या विदेशी प्लेटफॉर्म की ओर भागेंगे और सरकार का नियंत्रण और भी कमजोर हो जाएगा।

यह बहस केवल भारत तक सीमित नहीं है। विश्व के कई देशों में ऑनलाइन गेमिंग को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में इसे सख्त नियमों और टैक्स प्रणाली के तहत वैध किया गया है। वहीं चीन जैसे देशों ने बच्चों के लिए गेमिंग के समय पर ही पाबंदी लगा दी है। भारत ने अब तक इस दिशा में कोई स्पष्ट राष्ट्रीय नीति नहीं बनाई थी, यही कारण है कि राज्यों के स्तर पर भ्रम और असमानता बनी रही।

अब सवाल यह उठता है कि आगे क्या होगा? यह बिल लोकसभा में पेश किया जाएगा और संभव है कि इसमें संशोधन हों। उद्योग जगत की चिंताओं को देखते हुए सरकार कुछ नरमी दिखा सकती है। उदाहरण के लिए 'फैंटेसी स्पोर्ट्स' को कौशल-आधारित खेल मानकर सीमित अनुमति दी जा सकती है। इसी तरह कराधान और नियमन के ज़रिए सरकार और उद्योग के बीच समझौता हो सकता है।

परंतु एक बात तय है कि यह बिल भारत की डिजिटल यात्रा का अहम पड़ाव है। यह देश को यह सोचने पर मजबूर करता है कि तकनीक और समाज का संतुलन कैसे बनाया जाए। तकनीक अपने आप में न अच्छी है न बुरी, उसका इस्तेमाल उसे अच्छा या बुरा बनाता है। यदि ऑनलाइन गेमिंग युवाओं को कैरियर, रोजगार और अंतरराष्ट्रीय पहचान दे सकती है तो यह सकारात्मक है। लेकिन यदि वही गेमिंग परिवारों को तोड़ दे, युवाओं को कर्ज़ में डुबो दे और अपराध को बढ़ावा दे, तो यह खतरनाक है।

इसलिए ज़रूरी है कि सरकार, उद्योग, समाज और परिवार- सभी मिलकर समाधान निकालें। अभिभावकों को बच्चों पर नज़र रखनी होगी, शिक्षा संस्थानों को डिजिटल साक्षरता सिखानी होगी, उद्योग जगत को आत्मनियंत्रण और पारदर्शिता अपनानी होगी और सरकार को नियमन और प्रोत्साहन के बीच संतुलन बनाना होगा।

ऑनलाइन गेमिंग बिल केवल एक कानून नहीं है, यह हमारे समाज के भविष्य की रूपरेखा है। यह हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हम डिजिटल क्रांति को सिर्फ मनोरंजन और जुए का साधन बनने देंगे या इसे शिक्षा, रोजगार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का अवसर बनाएँगे। आने वाले वर्षों में यह बिल किस रूप में लागू होगा और समाज पर इसका क्या असर पड़ेगा, यह देखने वाली बात होगी। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि यह बहस भारत के हर घर तक पहुँचेगी, क्योंकि मोबाइल और इंटरनेट अब हर जेब में है और गेमिंग हर उम्र की पसंद।

मायाजाल पर चाबुक

ऑनलाइन गेमिंग

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक स्तंभकार हैं।

ऑनलाइन गेमिंग डिजिटल युग का अहम हिस्सा बन चुका है। आये -दिन खबरों में किस्सा है। यह एक ऐसा मायाजाल है जहां एक-दूसरे खिलाड़ी के साथ खेल सकते हैं। युवाओं और बच्चों के बीच ऑनलाइन गेमिंग की लत गांजा-शराब सी लग चुकी है जिससे यह उनके जीवन का उद्देश्य ही अंधकारमय हो रहा है। रियल गेम्स और ऑनलाइन गेमिंग के बीच अंतर है। इन मंतर के बीच में झूलते युवा और बच्चे हैं।वास्तविक खेलों में शारीरिक व्यायाम को बढ़ावा मिलता है जबकि ऑनलाइन गेम्स में शारीरिक व्यायाम की पूरी कमी होती है। यह केवल मानसिक लक्षण प्रदान करता है जिससे ऑनलाइन गेमिंग की आदतें, मूल्यों और प्रतिभा पर नकारात्मक प्रभाव तो डाल ही रही है, इसके अलावा डिप्रेशन, चिंता और सामाजिक समसामयिक जैसे मानसिक विकार भी उत्पन्न कर रही है। हर साल करोड़ों लोग पैसे से जुड़ी ऑनलाइन गेमिंग में कई हजार करोड़ रुपए गंवाते हैं। ऑनलाइन गेमिंग की लत ने अक्सर लोगों के बर्बाद होने और आत्महत्या करने की खबरें आती रहती हैं।

युवा पीढ़ी इतनी डिजिटल फ्रेंडली है कि शौक-शौक में पहले फंसता है और वह ऑनलाइन गेम के दलदल में धंसता चला जाता है, उसे पता भी नहीं चलता। यहां तक कि कम आयु तक के बच्चों को भो इसका नशा हो चुका है। यह नशीले पदार्थ से भी ज्यादा खतरनाक है।रातोंरात मालामाल होने चक्कर में फंस जाते हैं जिससे निकलना आसान नहीं होता। गेमिंग एप्स के विज्ञापनों से अंआधुंध कमाई करने के लिए फिल्म स्टार और क्रिकेट के दिग्गज युवाओं को जोड़ कर जुए के दलदल में युवाओं को धकेल रहे हैं। मनी गेमिंग प्रवृत्ति गम्भीर खतरा बन चुकी है। सरकार ने लोगों के हित को प्राथमिकता देते हुए प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल पारित कर दिया है। इसका स्वागत होना चाहिए। अपने देश के होनहार भविष्य को बचाना प्राथमिकता है। इस विधेयक के कानून बनने पर पैसे से जुड़ी सभी ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लग जाएगा। गूगल प्ले स्टोर से ऑनलाइन गेमिंग एप्स को कोई डाउनलोड नहीं कर पाएगा। विधेयक में गेम खेलने वालों को नहीं बल्कि उनको खिलवाने वालों को सजा होगी।ऐसे विधेयक का स्वागत है।

पैसे से जुड़े ऑनलाइन गेम खेलने वालों को सजा नहीं होगी। जो इस प्रकार का गेमिंग एप संचालित करेंगे, उनके लिए एक करोड़ तक का जुर्माना और तीन साल की कैद का प्रविधान किया गया है। प्रमुख धाराओं के अंतर्गत अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाया गया है। बच्चों और युवाओं को बर्बादी से बचाने के लिए सराहनीय पहल की है। यह एक तरह से खेल जुआ और सट्टेबाजी है, इसलिए इसे रोकना भी जरूरी है। हमारे बच्चे और युवा पीढ़ी भ्रमित न हो, इसके लिए उन्हें सही दिशा दिखाना जरूरी है। जब तक हम नैतिक रूप से ऑनलाइन गेमिंग से दूर रहने का संकल्प नहीं लेते तब तक प्रतिबंधों का असर में कुछ कसर दिखता रहेगा। इसके लिए खुले मैदानों में खेले जाने वाले खेलों को गांवों व महानगरों तक प्रमोट करना होगा। हमें ही आगे आकर बच्चों के भविष्य को संवारना होगा। ऑनलाइन गेमिंग मायाजाल पर चाबुक के लिए सरकार को साधुवाद!

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्योंकि इंसान, कुत्तापना से बाज नहीं आ रहा

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक स्थान से दूसरे स्थान पर पकड़कर, दुत्कार कर उतारे गए श्वान नई जगह को देखकर अचंभित होते हैं। डरे, सहमे अपनी पूंछ दबाकर अपना मुकाम हासिल करने के लिए संघर्ष करते हैं। उनकी इधर से उधर पहुंचने की आवारगी से वे आवारा की गिनती में आते हैं। जब देश की शीर्ष कोर्ट ने हम आवारा कुत्तों का संज्ञान लेकर डॉग शेल्टर रूम में डालने की बात कही तो आवारा कुत्तों का समूह इकट्ठा हुआ और आपस में चर्चा की। कि शीर्ष कोर्ट का भला हो कि हमें शेल्टर होम में डालने जैसा निर्णय लिया वरना हम गली-गली, गांव-गांव में एक गांव से दूसरे गांव एक शहर से दूसरे शहर में भटक भटक कर कुत्ते की मौत ही मर जाते।कम से कम हमारा कोई आशियाना तो होगा।

खैर आवारा कुत्तों ने इकठ्ठा होकर इस मसले पर आवारा कुत्तों की एक मीटिंग बुलाई। मीटिंग की अध्यक्षता सीनियर आवारा डॉग लालू ने की। अपने आवारापन का लंबा अनुभव लिए लालू ने अपनी जिंदगी चुनिंदा घर और उनके परिवारजनों का असीम प्यार मोहल्ले में पाकर पूरी कर ली थी। यहां तक कि जब भी मोहल्ले में आवारा लोगों की, नहीं कुत्तों को पकड़ने का अभियान चलता तो मोहल्ले के लोग उसे छुपा देते हैं और वह निकाय की पकड़ से बाहर रह जाता।मीटिंग में युवा डॉग, कालू, बोला हमने आवारा तौर पर पूरी जिंदगी बीता दी, कभी इस घर तो कभी उस घर, कभी ओटले पर, तो कभी सीढ़ियों पर जिंदगी बिताने वाले हम आवारा क्या जानेंगे की डॉग शेल्टर होम क्या होते हैं।अरे सुप्रीम कोर्ट ने हम आवारा को छत तो उपलब्ध कराने का निर्णय लिया वरना हमारी दुश्मन मानव जाति जिसमें कई आवारा लोग होते हैं वे, कुत्तापना, कर हमें बदनाम करते हैं।वह न जाने क्या-क्या करते पर आवारा नहीं कहलाते हैं। और हम वफादारी में अव्वल है मोहल्ले की सुरक्षा करते हैं, वोटो की तरह चोरी करना तो ठीक चोर को ठिकाने लगा देते हैं।हमें शेल्टर होम बने बनाए मिलेंगे।

और मनुष्यों को तो रोटी कपड़ा मकान में, मकान के लिए कई चक्कर काटने पड़ते हैं तब भी बगैर लिए दिए आवास की किस्त नहीं मिलती है।कम से कम हमारे आवारापन को दूर करने के लिए शेल्टर में अपनी जिंदगी गुजर तो पाएंगे। इस पर युवा पैंथर बोला जिंदगी भर, कुत्ता पना,करने वाले इंसान के साथ हम, इंसानपना, बता दे तो भी वे हमारे पन को छिन कर कुत्ता पना किए बगैर नहीं मानते है।लेकिन हम इंसानपने पर कायम है।भले ही आवारा है लेकिन इंसानों के प्रति हमारे मन में दया एवं करुणा है इसी का नतीजा है कि हमारे डॉग शेल्टर होम बनाने की जिम्मेदारी भी इंसानों की है। जिससे कमिशन खोर अधिकारी, कर्मचारी, नेता से लेकर इंजीनियर, बनाने वाले ठेकेदार लगभग सभी के, वारे न्यारे,हो जाएंगे।

इस पर कुरकुरिए से किशोर अवस्था में आवारापन की दहलीज पर आए नए युवा झामरे कुत्ते ने बोला अरे हम कथित आवारा कुत्तों को जितना आवारा समझते हैं, लेकिन ऊपर वाले ने हर घर और ग्रहणी को आखिरी रोटी हमारे लिए बनाने और खिलाने की व्यवस्था की है।अरे पाले हुए देसी विदेशी कुत्तों को बंगले वालों की दुत्कारी रोटियां झूठा पनीला दूध मिलता है। लेकिन हमें सम्मानपूर्वक बनाई गई रोटियां मिलती है। इस रोटी के पुण्य से इंसान के कुत्तापने के पाप क्षय हो जाते हैं।

इस पर नए-नए छूट भैया नेता की तरह नया कुत्ता बोला हमें कोई छेड़ता है, हम पर कोई गुर्राता है तो हम उसे काट लेते हैं। लेकिन हमारा काटना रेबीज इंजेक्शन बनाने वाली कंपनी के लिए काफी फलीभूत होता है। सरकारी अस्पतालों में रेबीज का टोटा बताकर हम कुत्तों के काटने के फर्जी आंकड़े पेश कर देते हैं, यही नहीं हमसे सुरक्षित यही इंसान नसबंदी कराने पर हमारी नस्ल को नष्ट करने पर तुला हैं ! अरे आवारा घूम रहे कुत्तों से कुत्ता समुदाय अपना रुतबा कायम किए हुए, लेकिन विदेशी और मैडम की गोद में खेलने वाले कुत्तों को कोई कुत्ता ही नहीं सकता है।

अंत में अध्यक्ष उद्बोधन में बुजुर्ग कुत्ता मोती बोला हमारी इज्जत होती थी, हमें मोहल्ले का पहरेदार मानते थे तब तक हम काटने से परहेज करते थे।लेकिन बदलाव का दौर आया इंसान एक दूसरों को काटने लगा, एक दूसरे से दूर रहने,एक दूसरे की ईकन्नी करने से बाज नहीं आने लगा तो तब हमने अपने काटने की रफ्तार को तेज कर दिया।

बावजूद इसके वह हमारे लिए शेल्टर होम बनाने, रेबीज इंजेक्शन बनाने, हमारी नसबंदी करने के लिए, यह इंसान ही कुत्तापना कर उनका मतलब हल करना चाहते हैं।अरे यही नहीं हमारे नाम पर, पेटा, चला कर खुद का अनीति से पेट भरने से भी नहीं चूक रहे हैं।

हम कुत्ते और ऊपर से आवारा कुत्ते होते हुए भी, इंसानपने, को नहीं अपनाएंगे क्योंकि इंसान कुत्ता पना करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

ट्रैवलॉग चर्चा

ब्रजेश कानूनगो

देवदूत जैसे उदार घुमक्कड़

कई ब्लॉगरों को हमने पवित्र स्वर्ण मंदिर दर्शन के लिए जाने के पूर्व सिक्ख पुरुषों द्वारा बांधी जाने वाली पगड़ियां बंधवाने की प्रक्रिया को देखा है। इसका वीडियो देखना भी बहुत दिलचस्प होता है। परिसर से पहले कारिडोर में अनेक ऐसी दुकानें हैं जहां से पगड़ी हेतु मनपसंद रंगीन कपड़े खरीद कर वहीं अपनी सेवाएं देते कर्मियों से अपने सिर पर उसे बंधवा सकते हैं। प्रक्रिया का वीडियो बना सकते हैं। दावुद का व्यक्तित्व बहुत प्रभावी है और जब वे अपने सिर पर पगड़ी धारण करते हैं तो पूरे सरदार लगते हैं। उनकी शानदार दाढ़ी उनके इस अवतार को आकर्षण और पूर्णता प्रदान कर देती है। अपने विडियोज में उन्होंने स्वर्ण मंदिर की पूरी सैर कराई। लंगर की रसोई का गहनता से दर्शन कराया। लंगर की पंगत में बैठकर भोजन किया। सबसे अंत में दान काउंटर पर जाकर एक बड़ी राशि वहां भेंट की। इन्ही वीडियो को देखते हुए ज्ञात हुआ कि दावुद जहां की सैर करते हैं और वीडियो बनाते हैं उससे होने वाली आय को उसी स्थान के लोगों में या कल्याण कार्यों में दान स्वरूप खर्च कर देते हैं। उनकी यह उदारता उनकी हर यात्रा के विडियोज में देखी जा सकती है।

अजरबैजान मूल के घुमक्कड़ और ब्लॉगर दावुद अकुंदजादा को पहली बार उनके अमृतसर यात्रा के वीडियो में देखा था। कद काठी में पूरे पठान लगते हैं, भारतीय वस्त्रों की दुकानों पर बड़ी मुश्किल उनके नाप का कुर्ता, शूज या जूता मिल पाता है। जहां जाते हैं दुकान में सबसे बड़े नाप का परिधान मांगते हैं।

बहरहाल, जब वे अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में गए तो अपने सिर पर पगड़ी बंधवाई। गुरु गोविंदसिंह द्वारा स्थापित सिद्धांतों के अनुसार खालसा सिक्खों द्वारा धारण किए जाने वाले पांचों ककार चीजों याने केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा के बारे में जानकारी ली, उन्हे रुचिपूर्वक देखा समझा भी।

कई ब्लॉगरों को हमने पवित्र स्वर्ण मंदिर दर्शन के लिए जाने के पूर्व सिक्ख पुरुषों द्वारा बांधी जाने वाली पगड़ियां बंधवाने की प्रक्रिया को देखा है। इसका वीडियो देखना भी बहुत दिलचस्प होता है। परिसर से पहले कारिडोर में अनेक ऐसी दुकानें हैं जहां से पगड़ी हेतु मनपसंद रंगीन कपड़े खरीद कर वहीं अपनी सेवाएं देते कर्मियों से अपने सिर पर उसे बंधवा सकते हैं। प्रक्रिया का वीडियो बना सकते हैं। दावुद का व्यक्तित्व बहुत प्रभावी है और जब वे अपने सिर पर पगड़ी धारण करते हैं तो पूरे सरदार लगते हैं। उनकी शानदार दाढ़ी उनके इस अवतार को आकर्षण और पूर्णता प्रदान कर देती है।

अपने विडियोज में उन्होंने स्वर्ण मंदिर की पूरी सैर कराई। लंगर की रसोई का गहनता से दर्शन कराया। लंगर की पंगत में बैठकर भोजन किया। सबसे अंत में दान काउंटर पर जाकर एक बड़ी राशि वहां भेंट की। इन्ही वीडियो को देखते हुए ज्ञात हुआ कि दावुद जहां की सैर करते हैं और वीडियो बनाते हैं उससे होने वाली आय को उसी स्थान के लोगों में या कल्याण कार्यों में दान स्वरूप खर्च कर देते हैं। उनकी यह उदारता उनकी हर यात्रा के विडियोज में देखी जा सकती है।

अजरबैजान में बहुसंख्यक आबादी इस्लाम धर्म को मानने वालों की है लेकिन वह एक धर्म निरपेक्ष देश है तथा वहां समाज का एक बड़ा वर्ग किसी धर्म का अनुयाई नहीं है। एकाध वीडियो में दावुद भी इसी बात को स्वीकारते दिखाई देते हैं। दावुद मनुष्यता को धर्म मानते हैं। सभी धर्मों, समुदायों का सम्मान उनके मन में है। सब जगह जाते हैं, सम्मान व्यक्त करते हैं और वीडियो में यह सब सहजता से देखा जा सकता है। अपनी उदारता से वे दर्शकों का मन जीत लेते हैं। किसी सांता क्लाज या देवदूत की तरह वे वृद्ध, बच्चों, कमजोर और जरूरतमंद के लिए अकस्मात देवदूत की तरह प्रकट हो जाते हैं।

दावुद ने भी यूट्यूब माध्यम में पूर्णतः ट्रवेलर ब्लॉगर के रूप में प्रवेश अपनी नौकरी छोड़कर किया है। वे सामान्यतः अच्छी होटलों में ठहरते हैं। कई बार उस जगह की सबसे लग्जरी होटल में रुकते हैं। वीडियो टूर देते हैं। नाश्ता, लंच, डिनर, स्विमिंग पूल, टेरेस, जिम आदि सभी पक्षों का आस्वाद अपने दर्शकों को कराते हैं। लेकिन यह केवल एक पक्ष है, बड़ा महत्वपूर्ण दूसरा पक्ष यह है कि वे सामान्य लोगों के बीच अपना अधिकांश समय सामान्य परिदृश्य में गहरे से उतरते जुड़ते हुए बिताते हैं।

ज्यादातर वे खाना बाजार में स्थानीय रेस्टोरेंट में करते हैं और उसमें भी स्ट्रीट फूड और छोटे छोटे स्टाल्स उनकी प्राथमिकता में होते हैं। बाजार में घूमते हुए जब देखते हैं कि

कोई बहुत अच्छा स्थानीय शरबत मिल रहा है तो वह अवश्य उसका आनंद उठाएंगे। ऐसे में उनके आसपास लोगों की भीड़ जुट जाती है तो दुकानदार से बोलते हैं कि इन सबको भी यह दे दीजिए, उसका पूरा पेमेंट वही कर देते हैं। किसी दुकानदार की कमजोर स्थिति देखकर वे भावुक भी हो जाते हैं, पूछते हैं, भाई आप दिन भर में कितना कमा लेते हैं? मान लीजिए वह व्यक्ति बता देता है कि मैं दिन भर में 500 रुपए कमा लेता हूं तो दाऊद उससे उसके स्टाल का पूरा सामान फ्री लोगों में वितरित करने का कह देते हैं, सब लोगों को आप मेरी तरफ से फ्री बांट दीजिए, और आप आज के लिए कुछ नहीं करें, आप घर जाकर आराम करें। यह दया भाव एक जरूरतमंद छोटे कारोबारी व्यक्ति के लिए देखकर बहुत अच्छा लगता है।

एक बार शायद कोलकाता या बांग्लादेश में कहीं घूम रहे थे। सब्जी मंडी में एक बूढ़ी महिला अपनी छोटी सी बास्केट में लहसुन रखकर सड़क किनारे बैठी थी। वे उससे स्नेहपूर्वक बातें करते हैं, खैरियत पूछते हैं, उसकी सारी लहसुन खरीद लेते हैं। वह लहसुन आगे जाकर उन्होंने और किसी गरीब जरूरतमंद परिवार को भेंट कर दी। लहसुन के पूरे दाम चुका के कुछ और राशि अतिरिक्त देकर उन्होंने कहा कि आज आप आगे काम नहीं करेंगे, आप घर जाइए आराम करिए।

दावुद अकुंदजादा की उदारतापूर्ण मार्मिक अनुभूतियों से गुजरना चाहते हैं तो उनकी श्रीलंका सीरीज के विडियोज को अवश्य देखा जाना चाहिए। स्कूटर से उनको ग्रामीण क्षेत्रों में घूमते, ग्रामीणों, खेत में काम करते मजदूरों से वार्तालाप करना, छोटे छोटे ग्रामीण स्टालों, टापरियों पर जाकर खाना पीना, आत्मीयता से सुख दुख की बातें करना फिर उन सबकी मदद करना। निर्धन परिवारों और बच्चों की संस्थाओं में जाकर उनसे मेल मुलाकात, सहयोग का हाथ बढ़ाना और आर्थिक सहयोग करना, बहुत अद्भुत और मानवीय संवेदनाओं का प्रेरक गुलदस्ता सा बन जाते हैं ट्रेवल ब्लॉगर दावुद अकुंजादा।

ट्रेवल वीडियो देखते हुए यदि ब्लॉगर की अनुभूतियां हमारी अनुभूति में रूपांतरित होकर संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों का थोड़ा भी प्रस्फुटन करती हैं तो क्यों न हमें इनका भरपूर स्वागत और आभार व्यक्त करना चाहिए! साधुवाद दावुद!

अंतरिक्ष विज्ञान में भारत का बढ़ता वैश्विक नेतृत्व

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत की सभ्यता सदियों से ज्ञान, शोध और नवाचार की धरोहर रही है। वैदिक काल से लेकर आज तक हमारे वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने पूरी दुनिया को दिशा देने का कार्य किया है। जब प्राचीन भारत के ऋषि आकाशगंगा और ग्रहों-नक्षत्रों के रहस्यों को अपने ज्ञान से परिभाषित कर रहे थे, तब पश्चिमी सभ्यता उनके अस्तित्व तक से अपरिचित थी। आर्यभट्ट जैसे खगोलशास्त्री ने न केवल शून्य और दशमलव जैसी गणितीय अवधारणाओं से विश्व का मार्गदर्शन किया बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है और सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है। यही वैज्ञानिक परंपरा आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अदम्य साहस और अथक परिश्रम के रूप में नई ऊंचाईयों को छू रही है। यही कारण है कि आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल देश की तकनीकी क्षमता का ही प्रतीक नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की निरंतरता का दर्पण भी है। 23 अगस्त 2023 का दिन तो भारत के लिए एक ऐसा गौरवपूर्ण अवसर लेकर आया, जिसने पूरे विश्व को हतप्रभ कर दिया। इसी दिन इसरो ने अपने महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारकर इतिहास रचा था। भारत की यह केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं थी बल्कि राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिकों की प्रतिभा और प्राचीन ज्ञान से उपजे उस आत्मविश्वास का परिणाम था, जिसने भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में शीर्ष पंक्ति में खड़ा कर दिया। यह संयोग ही है कि चंद्रयान-3 की सफलता को अमर बनाने और देश की नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए 23 अगस्त को प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस वर्ष यह दिवस 'आर्यभट्ट से गगनयानः प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक' की थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो अतीत की उपलब्धियों और भविष्य की अनंत संभावनाओं का संगम है।

भारत की सभ्यता सदियों से ज्ञान, शोध और नवाचार की धरोहर रही है। वैदिक काल से लेकर आज तक हमारे वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने पूरी दुनिया को दिशा देने का कार्य किया है। जब प्राचीन भारत के ऋषि आकाशगंगा और ग्रहों-नक्षत्रों के रहस्यों को अपने ज्ञान से परिभाषित कर रहे थे, तब पश्चिमी सभ्यता उनके अस्तित्व तक से अपरिचित थी। आर्यभट्ट जैसे खगोलशास्त्री ने न केवल शून्य और दशमलव जैसी गणितीय अवधारणाओं से विश्व का मार्गदर्शन किया बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है और सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है। यही वैज्ञानिक परंपरा आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अदम्य साहस और अथक परिश्रम के रूप में नई ऊंचाईयों को छू रही है। यही कारण है कि आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल देश की तकनीकी क्षमता का ही प्रतीक नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की निरंतरता का दर्पण भी है। 23 अगस्त 2023 का दिन तो भारत के लिए एक ऐसा गौरवपूर्ण अवसर लेकर आया, जिसने पूरे विश्व को हतप्रभ कर दिया। इसी दिन इसरो ने अपने महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारकर इतिहास रचा था। भारत की यह केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं थी बल्कि राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिकों की प्रतिभा और प्राचीन ज्ञान से उपजे उस आत्मविश्वास का परिणाम था, जिसने भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में शीर्ष पंक्ति में खड़ा कर दिया। यह संयोग ही है कि चंद्रयान-3 की सफलता को अमर बनाने और देश की नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए 23 अगस्त को प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस वर्ष यह दिवस 'आर्यभट्ट से गगनयानः प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक' की थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो अतीत की उपलब्धियों और भविष्य की अनंत संभावनाओं का संगम है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा उतनी ही रोमांचक है, जितनी कठिन। जब 1947 में देश आजाद हुआ, तब हमारे पास न तो आधुनिक तकनीक थी, न संसाधन और न ही वैज्ञानिक आधारभूत संरचना लेकिन इसी धरती ने डॉ. विक्रम साराभाई, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और सैंकड़ों वैज्ञानिकों को जन्म दिया, जिन्होंने सीमित साधनों में भी असीम सपनों को साकार करने का संकल्प लिया। इसरो की स्थापना के साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान की नई सुबह हुई और भारत ने उस राह पर चलना शुरू किया, जिस पर कभी केवल अमेरिका और सोवियत संघ जैसे महाशक्ति राष्ट्र चलते थे। भारत के चंद्र मिशन इस यात्रा की सबसे चमकदार कड़ी हैं। 2008 में चंद्रयान-1 ने यह साबित कर दिया कि भारत केवल पृथ्वी की कक्षा तक सीमित रहने वाला देश नहीं बल्कि चंद्रमा के रहस्यों को सुलझाने वाला अग्रणी राष्ट्र है। यही वह मिशन था, जिसने पहली बार चंद्रमा पर पानी के अणुओं की उपस्थिति की पुष्टि कर वैश्विक वैज्ञानिक जगत को चौंका दिया। उसके बाद 2019 में भारत ने चंद्रयान-2 के साथ साहसिक कदम उठाया और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की ओर प्रस्थान किया। भले ही चंद्रयान-2 का लैंडर विक्रम सुरक्षित उतरने में असफल रहा लेकिन उसका ऑर्बिटर आज भी अमूल्य वैज्ञानिक जानकारी भेज रहा है। यही असफलता भविष्य की सफलता की नींव बनी और चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को वह कर दिखाया, जो किसी भी देश के लिए संभव नहीं हो सका था। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला राष्ट्र बना। चंद्रयान-3 की सफलता केवल तकनीकी दृष्टि से ही अद्वितीय नहीं थी बल्कि वह इसरो की लागत-प्रभावी रणनीति का भी उदाहरण बनी। जहां अन्य देशों को अरबों डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, वहीं भारत ने यह इतिहास मात्र 615 करोड़ रुपये में रचा। यह उस वैज्ञानिक सोच का परिणाम है, जो सरलतम साधनों में भी श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त करने में विश्वास रखती है। इस मिशन का विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर आज भी चंद्रमा की सतह पर भारत की विजयगाथा सुनाते हैं।

भारत की यह यात्रा केवल चंद्रमा तक ही सीमित नहीं है। मंगलयान (मंगल ऑर्बिटर मिशन) ने 2014 में पूरे विश्व को चकित किया, जब भारत पहले ही प्रयास में मंगल की कक्षा में पहुंचने वाला पहला देश बन गया था। अब गगनयान मिशन मानव को अंतरिक्ष में ले जाने की तैयारी कर रहा है, जो भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में और भी ऊंचाई पर पहुंचा देगा। यह सब कुछ हमें बार-बार यह स्मरण कराता है कि हमारे पूर्वजों का खगोल और गणित का ज्ञान आज भी हमारी राह रोशन कर रहा है। 'आर्यभट्ट से गगनयान' की यात्रा केवल एक वैज्ञानिक यात्रा नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना की यात्रा भी है। जब प्राचीन ऋषि यज्ञशाला में वेदों के मंत्रों के साथ ग्रह-नक्षत्रों की गति का अध्ययन कर रहे थे, तब वे आधुनिक विज्ञान की नींव रख रहे थे। आर्यभट्ट ने सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण की वैज्ञानिक व्याख्या दी। भास्कराचार्य ने समय, गति और ग्रहों के स्थान की अद्भुत गणना की। यही धारा आधुनिक भारत में इसरो की प्रयोगशालाओं और प्रक्षेपण स्थलों पर दिखाई देती है, जहां वैज्ञानिक गणितीय समीकरणों और तकनीकी उपकरणों से अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझा रहे हैं।

चंद्रयान-3 की सफलता से भारत अब केवल विज्ञान और तकनीक में ही नहीं, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता में भी विश्व का नेतृत्व कर रहा है। यह सफलता हमारे युवाओं के लिए प्रेरणा है कि वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी को केवल नौकरी या कैरियर के रूप में न देखें बल्कि राष्ट्र निर्माण और मानवता की सेवा के अवसर के रूप में अपनाए। गगनयान से लेकर आदित्य-एल1, मंगलयान-2 से लेकर भविष्य के चंद्र मिशनों तक भारत की यह यात्रा अब थमने वाली नहीं। इसरो का हर कदम न केवल भारत को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगा बल्कि पूरी मानवता के लिए नए आयाम खोलेगा। भारत की अंतरिक्ष गाथा आज भी लिखी जा रही है और आने वाले समय में यह गाथा और भी स्वर्णिम होगी। आर्यभट्ट से शुरू हुई यह यात्रा गगनयान तक पहुंचेगी है और आगे यह हमें उन अनंत संभावनाओं तक ले जाएगी, जिनकी कल्पना आज हम केवल स्वप्न में ही कर सकते हैं। यही भारत की शक्ति है, यही उसका आत्मविश्वास है और यही उसका भविष्य है।

बहरहाल, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस भविष्य की संभावनाओं का उद्घोष है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब कोई राष्ट्र अपने सामूहिक संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अदम्य साहस से प्रेरित होता है तो वह किसी भी असंभव को संभव बना सकता है। आज जब भारत अपना दूसरा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मना रहा है, तो यह सदियों की साधना और आने वाले कल की संभावनाओं का प्रतीक है। यह आर्यभट्ट के प्राचीन ज्ञान और इसरो के आधुनिक विज्ञान का संगम है। यह वह धारा है, जो हमें बताती है कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती और अंतरिक्ष की अनंतता में मानव की जिज्ञासा ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

गर्व से भरती है आशाराम की सफलता

प्रतिभा

प्रतिभा मिश्रा

सेवानिवृत्त प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय देवास

प्रायवेट स्कूलों में पढ़ा कर और इंग्लिश के नाम पर अधकचरा ज्ञान बच्चों में पाकर जहां मां बाप फख्र करते हैं वहीं गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ा यह बालक भी बाद में प्रायवेट स्कूल में पढ़ा क्योंकि सरकारी स्कूल की हालत बहुत खराब थी। वहीं के शिक्षकों ने इसके पिता को इसकी प्रतिभा और तीव्र बुद्धि देखकर इंग्लिश की पढ़ाई का सोच कर प्रायवेट स्कूल में एडमिशन दिलाने को कहा। यही नहीं पिता की आर्थिक स्थिति फीस भरने की नहीं थी तो दो साल तक उन शिक्षकों ने जिनके नाम वो गर्व से लेता है कमल पाटीदार और ईश्वर पाटीदार ने सहायता की। इंग्लिश स्कूल में भी कई बार उसे कठिनाईयों से गुजरना पड़ा। मगर फिर नवोदय विद्यालय की परीक्षा पास कर वो यहां आया तो उसे राहत मिली। उसे दीक्षा फाउंडेशन जैसे एनजीओ से सहायता मिली।

आज मैं जिस आशाराम का आपको परिचय देने जा रही हूं वो जोधपुर के एम्स में डॉक्टर है। जवाहर नवोदय विद्यालय देवास में छठी कक्षा में प्रवेश लेने वाला ये विद्यार्थी एक दिन इतना नाम कमायेगा कभी कल्पना भी नहीं की थी। इसका श्रेय नवोदय विद्यालय को जाता है जहां गरीबों के बच्चों को छठी से बारहवीं तक की पढ़ाई निःशुल्क प्रदान की जाती है। साथ ही उनको आगे की जिंदगी के लिए मार्गदर्शन और अवसर भी मिलते हैं। जहां एक ओर स्कूल बंद करने की बात हो रही है वहीं नवोदय विद्यालय गरीब बच्चों को आज कहां से कहां पहुंचा देने में सफल रहे हैं। आशाराम उसी का एक उदाहरण है।

छोटे से गांव का यह बच्चा जिसके पिता के पास कोई रोजगार नहीं था। छुट-पुट काम करना, कभी खेतों में, कभी लोगों की बकरियां चराना, कभी छोटी मोटी वस्तुएं बेचना और यहां तक कि पन्नियां तक बीन कर अपने तीन बच्चों को पालना पढ़ाना, कितना कष्टप्रद रहा होगा इसकी कल्पना करना भी कठिन है। जहां आज कल बच्चे अपने पिता की छोटी मोटी नौकरी का परिचय कराने में झिझकते हैं वहीं आशाराम कभी यह कह कर शर्मिंदा नहीं होता था कि वो एक झोंपड़ी में रहकर बकरियां चराकर और आम बेचकर अपने परिवार की मदद करके आज इस मुकाम तक पहुंचा है।

प्रायवेट स्कूलों में पढ़ा कर और इंग्लिश के नाम पर अधकचरा ज्ञान बच्चों में पाकर जहां मां बाप फख्र करते हैं वहीं गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ा यह बालक भी बाद में प्रायवेट स्कूल में पढ़ा क्योंकि सरकारी स्कूल की हालत बहुत खराब थी। वहीं के शिक्षकों ने इसके पिता को इसकी प्रतिभा और तीव्र बुद्धि देखकर इंग्लिश की पढ़ाई का सोच कर प्रायवेट स्कूल में एडमिशन दिलाने को कहा। यही नहीं पिता की आर्थिक स्थिति फीस भरने की नहीं थी तो दो साल तक उन शिक्षकों ने जिनके नाम वो गर्व से लेता है कमल पाटीदार और ईश्वर पाटीदार ने सहायता की। इंग्लिश स्कूल में भी कई बार उसे कठिनाईयों से गुजरना पड़ा। मगर फिर नवोदय विद्यालय की परीक्षा पास कर वो यहां आया तो उसे राहत मिली। उसे दीक्षा फाउंडेशन जैसे एनजीओ से सहायता मिली।

आशाराम को दसवीं कक्षा में नवोदय से उक्त परीक्षा देने का अवसर मिला जिसमें सात नवोदय के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। उसमें सिर्फ आशाराम का सिलेक्शन हुए। फिर तो जैसे उसके लिए रास्ते खुलते चले गये। सबसे कठिन एम्स की परीक्षा जिसमें साढ़े चार लाख विद्यार्थीयों ने भाग लिया था उसमें 707 वीं रैंक लेकर पहली बार में सफल होकर ये साबित कर दिया कि मेहनत और कठिन परिश्रम से क्या हासिल नहीं किया जा सकता है। यही नहीं उसने नीट की परीक्षा पास की, जर्मन सिल्वर जोन फाउंडेशन संस्थान में चयन, रिसर्च साइंटिस्ट में चयन, किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना में चयन और अंत में जोधपुर के एम्स में एमबीबीएस की पढ़ाई हेतु चयन।

ये कहानी है उस होनहार परिश्रमी छात्र आशाराम की जिसे इंग्लिश स्कूल में ताने सुनने पड़े, छुट्टियों में पिता का हाथ बंटाने में बकरियां चराई ताकि चालीस रुपए कमा सके। आम बेचे खेतों में काम किया। पिता को भी गांव के लोग व्यंग्य करते थे कि ये तो अपने लड़के को डॉक्टर बनाने के दिन में सपने देखता है। वही लड़का जब एम्स के लिए चयनित हुआ तो सबसे पहले राहुल गांधी की बधाई का पत्र मिला। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तत्काल देवास कलेक्टर को आर्थिक मदद करने के आदेश दिए और आशाराम को भोपाल अपने साथ चाय पर आमंत्रित किया। कलेक्टर देवास कार्यालय ने पच्चीस हजार रुपए का चैक प्रदान किया।

इस सबके बावजूद माता पिता ने यही कहा बेटा कभी भी ये मत भूलना कि तुम गरीबी से उठे हो। गरीबों की मदद करना। कोई लाचार हो तो फीस मत लेना। समझना तुम्हारी मां ने उसे भेजा है। आज जहां बाप के पैसों पर बच्चे ऐश करते समय में भूल जाते हैं कि कितना संघर्ष किया होगा उनकी परवरिश में मां बाप ने और उन्हीं मां बाप का बेटा कहलाने में शर्म महसूस करते हैं जो गरीबी में जीते रहे वहीं आशाराम जैसे बेटे अपने मां बाप पर गर्व करते हैं। उन्हें ये संकोच नहीं होता कि ये गरीब रहे और हमें आगे बढ़ाया। ये कहावत आशाराम जैसे बेटों पर सही सिद्ध होती है पूछ कपूत तो क्या धन संचय पूत सपूत तो का धन संचय। मैं गर्व महसूस करती हूं अपने इस छात्र पर जिसे पढ़ाने का नवोदय विद्यालय देवास में मुझे अवसर मिला।

ऑनलाईन मनी गेम्स पर रोक, निश्चित ही देश के लिए यह महत्वपूर्ण विधेयक

सेंधवा। देश के नौनिहालो को बर्बादी की ओर ले जाने वाले ऑनलाईन मनी गेम्स पर रोक लगाने वाले बिल को लोकसभा एवं राज्यसभा ने पारित कर दिया। निश्चित ही देश के लिए यह महत्वपुर्ण विधेयक पास हुआ है। जिसकी आम जनता मे व्यापक सकारात्मक प्रतिक्रिया हुई है।

यह विधेयक पारित होने पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता बी.एल. जैन ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र प्रेषित कर आभार व्यक्त किया है। श्री जैन ने पत्र मे लिखा है कि मेरे द्वारा दिसंबर 2021 से ही आपके कार्यालय को पत्र प्रेषित कर देश के नौनिहालो एवं युवा पीढ़ी के भविष्य को ध्यान मे रखते हुए ऑनलाईन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने अथवा इसके नियमन के लिए कानुनी प्रावधान लागू किए जाने की सतत् मांग की जा रही थी। आपने पत्र में लिखा की मेरे पत्रो के प्रत्युत्तर मे आपके कार्यालय से मुझे 24 अगस्त 2022 को एक पत्र प्रेषित कर अवगत कराया गया था कि ''सरकार भारत मे उपलब्ध ऐसे ऑनलाईन गेंमिंग, जुआ, सट्टेबाजी आदि की बढाती संख्या प्रासांगिक जोखिमो, उपयोगकर्ताओं को नुकसान, वित्तीय नुकसान, संभावित लत, कुछ राज्यों द्वारा ऑनलाईन स्पेस में कानूनों की एकरूपता सहित चुनौतियों से अवगत है। इस संबंध में सरकार इस उद्योग के नियमन के लिए एक संभावित रोडमेप विकसित करने की प्रक्रिया में है। इसके अलावा सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने ऑनलाईन गेमिंग और सट्टेबाजी के विज्ञापनों पर सलाह दी है जो कुछ सावधानियों का पालन करने पारदर्शिता का अभ्यास करने एवं उपभोक्ताओं की सुरक्षा निर्धारित करता है, परामर्श की प्रतियां सलंग्न प्रेषित है। इसके अलावा किसी विशिष्ट घटना के मामले को उपयुक्त कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय सायबर अपराध रिपोर्टींग पोर्टल पर रिपोर्ट किया जा सकता है।'' श्री जैन बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय के पत्र प्राप्ति के बाद भी ठोस कार्यवाही प्रारंभ नही हुई तो उनके द्वारा 05 जून 2022 से प्रतिदिन प्रधानमंत्री कार्यालय को एक पत्र उनके कार्यालय से प्रेषित किया जाता था प्रतिदिन किसी जनप्रतिनिधी, सामाजिक कार्यकर्ता, शहर के नागरिक, विद्यार्थी, शिक्षको से हस्ताक्षर करवाकर सतत् ये पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रेषित किए जा रहे थे। समय-समय पर पम्पलेट के माध्यम से जन-जागरण अभियान भी मेरे द्वारा चलाया जाता रहा है। इसके अलावा देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केन्द्रीय गृहमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, विभिन्न प्रदेशो के मुख्यमंत्री सांसदों एवं आरएसएस के सरसंघ चालक मोहन भागवत, गायत्री परिवार के मुखिया डॉ प्रणव पंडया, श्री श्री रविशंकर जी, ब्रह्माकुमारी दीदी सहित देश की अनेक जानीमानी हस्तियों को पत्र प्रेषित किए जाकर सरकार पर दबाव बनाने का अनुरोध किया गया साथ ही देश की सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधिपति को भी ''पत्र याचिका'' विस्तृत रूप से तैयार कर प्रेषित की गई एवं अनेक मंचो के माध्यम से इस विषय को उठाया गया। श्री जैन ने कहा कि जब 20 अगस्त को लोकसभा मे यह बिल पारित हुआ तो उन्हे बेहद प्रसन्नता हुई। निश्चित ही देश के प्रधानमंत्री ने यह महत्वपूर्ण बिल कड़े नियमों के साथ जो बनाया है वह देश की युवापीढ़ी को बर्बादी की कगार पर जाने से सुरक्षित करेगा।

शहर में गणेश चतुर्थी की तैयारी शुरू, सजने लगे गणेश पंडाल

इस बार 20-30 फीसदी बढ़े गणेश प्रतिमाओं के दाम

बैतूल। प्रथम पूज्य भगवान गणेश का दस दिनी उत्सव 27 अगस्त से शुरू होगा। जिसे लेकर शहर में तैयारी शुरू है। मूर्तिकार प्रतिमाओं को आकार देने में जुटे हैं। मूर्तिकारों ने इस साल दो से नौ फुट तक की सबसे ज्यादा प्रतिमाएं तैयार की हैं क्योंकि इनकी सबसे ज्यादा मांग है। इस बार गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को है। कलाकारों के अनुसार सहायक सामग्री के दाम में वृद्धि होने से प्रतिमा की कीमत 20-30 फीसदी बढ़ गई है। मूर्तिकार बताते हैं कि परिवार के साथ पिछले कई सालों से मूर्तियां बना रहे हैं। मांग के चलते तीन-चार महीने पहले ही काम शुरू कर देते है। गौरतलब रहे कि शहर में एक सैकड़ा से अधिक स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना होती है। जहां गणेश पंडालों के निर्माण का कार्य भी गणेश उत्सव समितियों ने शुरू कर दिया है। कोठीबाजार, गंज क्षेत्र, सदर सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर गणेश उत्सव समितियों द्वारा विशेष साज-सज्जा की जा रही है। वहीं घर-घर में उत्सव मनाने के लिए श्रद्धालु भी तैयारी में जुट गए हैं। गणेशोत्सव को लेकर युवाओं में खासा उत्साह भी बना हुआ है।

20 से 30 फीसदी बढ़े प्रतिमाओं के दाम

इस साल सामग्रियों के दाम बढने से प्रतिमाएं भी महंगी हुई है। मूर्तिकारों का कहना है कि प्रतिवर्ष प्रतिमा बनाने में उपयोग की जाने वाली सामग्री के दाम 10-

15 प्रतिशत बढ़ जाते है। इसलिए उन्हें मजबूरी में प्रतिमाओं को भी महंगी कीमतों में बेचना पडता हैं। इस साल मिट्टी, रंग, धान, भूसा, लकड़ी, बारदाना, ब्रश, गोंद सहित अन्य सामग्रियों के दामों में इजाफा हो गया हैं। प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों के बनाने पर प्रतिबंध है। ऐसे में मिट्टी की ही प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। इस बार मूर्ति बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में मिट्टी भी नहीं मिल पाई। ऊपर से रंग सहित अन्य सामग्रियों के भी दाम बढ़ गये है। जिससे प्रतिमाओं की कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई है।

पीओपी की प्रतिमा बिक्री पर रहेगी नजर

पीओपी की प्रतिमाओं की बिक्री पर प्रतिबंध है। ऐसे में नगरपालिका भी सतर्क हो गई है। नगरपालिका द्वारा पीओपी की प्रतिमाएं न बिके इसके लिए टीम गठित की गई है, जो प्रतिमाओं की जांच करेगी। बता दे कि सरकार ने प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की मूर्तियां बनाने और बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कोई भी मूर्तिकार यदि इन मूर्तियों को बेचते पाया गया तो उनके खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी। गणेशोत्सव नजदीक आते ही अब अधिकारियों की नजर भी मूर्तिकारों पर बनी हुई हैं। नगरपालिका के अधिकारी बाजारों में भी घूमकर प्रतिमाओं का चेक करेंगे और देखेंगे कि मूर्तियां मिट्टी की है या पीओपी से बनाई गई है। मूर्तिकारों ने पहले भी निर्देश दिए है कि खेत बनाने के लिए मिट्टी का उपयोग करें, अन्यथा कार्रवाई होगी।

माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान चालू, दिया जा रहा प्रशिक्षण

मप्र जन अभियान परिषद द्वारा चलाए माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा मिट्टी से गणेश जी की इको-फ्रेंडली प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें भगवान गणेश की मिट्टी से सुंदर और आसान प्रतिमाएं बनाने की प्रक्रिया सिखाई जा रही है। इस अभियान के तहत प्रतिभागियों को न केवल मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण के संदेश से भी जोड़ा गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया की इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि आगामी गणेशोत्सव में घर-घर मिट्टी के गणेश विराजें और विसर्जन भी पर्यावरण हितैषी ढंग से हो, जिससे परंपरा और प्रकृति दोनों का संरक्षण हो सके। इसके अलावा परिषद का प्रशिक्षित नेटवर्क गांव-गांव में लोगों को मिट्टी से गणेश जी की इको-फ्रेंडली प्रतिमा बनाने के लिए प्रेरित एवं प्रशिक्षित कर रहा है।

इनका कहना है -

पीओपी की मूर्ति न बिके, इसके लिए जांच की जा रही है। मूर्तिकारों को भी मिट्टी की प्रतिमाएं बनाने के लिए कहा गया है। वैसे ज्यादातर लोग बाहर से प्रतिमा खरीदकर लाते है और बेचते है। यदि कोई भी पीओपी की प्रतिमा बेचता पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाही करेगे।

- ब्रजगोपाल परते,
वरिष्ठ राजस्व निरीक्षक, नगरपालिका बैतूल

भोपाल में पहली बार राजकीय सम्मान के साथ हुआ देहदान

स्व. श्रीमती रमा चौदा को उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दी श्रद्धांजलि

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि देहदान सबसे बड़ा दान है। यह मानव जीवन को सेवा के माध्यम से अमर बना देता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ऐसे प्रेरणादायी कार्यों को सम्मान देने के लिए संकल्पित है। उन्होंने स्व. श्रीमती रमा चौदा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों को चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में अनुपम सहयोग देगा। उल्लेखनीय है कि भोपाल में पहली बार राजकीय सम्मान के साथ देहदान सम्पन्न हुआ। किरण फाउंडेशन के सहयोग से भोपाल निवासी स्व. श्रीमती रमा चौदा (आयु 79 वर्ष) जिनके पुत्र श्री राजेश गुप्ता नेशनल अस्पताल भोपाल के मेडिकल संचालक हैं, का देहदान गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में कराया गया। इस अवसर पर राजकीय सम्मान के साथ पूरे विधि-विधान से देहदान प्रक्रिया सम्पन्न की गई। देहदान की इस पूरी प्रक्रिया में गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता एन. सिंह और डॉ. संदीप जी ने आवश्यक सहयोग प्रदान किया। डीन डॉ. कविता सिंह ने कहा कि इस पहल से न केवल चिकित्सा शिक्षा को बल मिलेगा, बल्कि समाज में देहदान जैसे पुण्य कार्यों के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

आज धूमधाम से मनाया जाएगा पोला उत्सव

वर्षों से चली आ रही परंपरा, लगता है विशाल मेला

बैतूल। वर्तमान में पोला जैसा पर्व युवा पीढ़ी भूलती जा रही है। जिसे जिंदा रखने का जिम्मा कोल्हे परिवार ने विगत 108 वर्ष से सतत उठाया हुआ है। स्व.रतनलाल साहू (कोल्हे) की स्मृति में गंज में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पोला उत्सव धूमधाम आज शनिवार धूमधाम से मनाया जाएगा। इस संबंध में समिति के नरेश चन्द्र साहू ने बताया कि सबसे अच्छी बैल जोड़ी, को एक विशेषज्ञ ट्रॉफी तंदुरुस्त जोड़ी पर एक विशेष ट्रॉफी और अच्छी सजावट के लिए 5 सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। शिवदयाल साहू और दीक्षांत साहू ने बताया कि तोरण एवं नंदी का पूजन शाम 6 बजे किया जाएगा। राजा साहू और पूरन साहू कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, शिक्षाविद मोहन नागर, नपा अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, मनीष सिंह ठाकुर, राजेंद्र किलेदार, अलकेश आर्य, राजीव खंडेलवाल, श्रीचन्द हिराणी, रहमान खान, विजय सिंह चौहान, दीपक सलूजा, आनंद प्रजापति, शंकर पेंद्राम, प्रवीण गुगनानी, भगवती अग्रवाल, दीपक कपूर को आमंत्रित किया गया है।

आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ की बैठक कल

बैतूल। जिले के समस्त अतिथि शिक्षकों को आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ की ओर से साधुवाद कल रविवार को कर्मचारी भवन में 12 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। जिसमें अनुभव आधारित अतिथि शिक्षकों की एक सूची जो लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा मांगी गई है को जमा कर सभी अतिथि शिक्षको के अनुभव प्रमाण पत्र जमा किए जाना है। जिसके लिए सभी अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। बैतूल ब्लॉक अध्यक्ष यमन जाधव ने बताया कि प्रांतीय आह्वान पर के सीपवार की अध्यक्षता में गुरु दक्षिणा का कार्यक्रम 5 सितंबर को भोपाल की धरा पर रखा गया है। जिसमें समस्त जिले एवं अन्य सभी जिले के अतिथि शिक्षक उपस्थिति होंगे। उपाध्यक्ष सौरभ लोहकरे ने बताया कि यह आंदोलन एक ऐतिहासिक आंदोलन बने अब हम अपने लक्ष्य के बहुत करीब है क्योंकि आपका संख्या बल हमें हमारे लक्ष्य के और करीब ले जाएगा

माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान अंतर्गत कार्यशाला 23 अगस्त को

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक विशेष पहल की जा रही है। इसी क्रम में बैतूल जिले में परिषद द्वारा मिट्टी से गणेश जी की इको-फ्रेंडली प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। यह कार्यशाला भारत भारती आवासीय प्राथमिक विद्यालय, जामठी में 23 अगस्त को दोपहर 12.30 बजे से प्रारंभ होगी। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्लास्टर ऑफ पेरिस की बजाय मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा बनाने हेतु प्रेरित करना है, जिससे प्रकृति और परंपरा दोनों का संरक्षण हो सके।

भौरा रेंज में बाघ के मूवमेंट से दहशत

सालीमेट गांव में दिखे पगमार्क, ग्रामीणों को किया अलर्ट

बैतूल। बैतूल के उत्तर वन मंडल की भौरा रेंज में टाइगर के मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से सटे गांव सालीमेट में चार दिन पहले टाइगर के फुट प्रिंट मिलने के बाद वन विभाग ने आसपास के ग्रामों में ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। उन्हें रात में आग जलाने और अनावश्यक रूप से न घूमने की सलाह देते हुए एहतियात बरतने को कहा गया है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत सालीमेट के बोडीपानी गांव में टाइगर जंगली सुअरों का पीछा करते हुए मक्के के खेत तक पहुंच गया। किसान लक्ष्मीनारायण यादव और रामभरोसे यादव ने बताया कि खेत में अचानक

टाइगर को देख लोग भयभीत हो गए। गांव यादव बाहुल्य है और अधिकांश परिवार गाय-भैंस जैसे पशुधन पालते हैं, जो घरों के बाहर बंधे रहते हैं। ग्रामीण जगदीश यादव का कहना है कि ऐसे में पशुधन पर हमले का खतरा और बढ़ गया है। ग्रामवासी विजय उइके ने बताया कि इस बारे में वन विभाग को सूचना दी गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि जान-माल का नुकसान होता है तो इसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी। वन विभाग के रेंजर बृजेश तिवारी ने बताया कि सालीमेट गांव जंगल से लगे हुए हैं और पास ही सतपुड़ा टाइगर रिजर्व है, इसलिए टाइगर का यहां आना स्वाभाविक है। जानकारी मिलते ही टीम को अलर्ट कर दिया गया है और कई जगहों पर पगमार्क भी मिले हैं। उन्होंने बताया कि गांवों में अनाउंसमेंट के जरिए लोगों को सतर्क किया जा रहा है। ग्रामीणों को खेतों में अकेले न जाने और पशुधन को सुरक्षित स्थानों पर बांधने की सलाह दी गई है। वन विभाग की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है ताकि किसी तरह की जनहानि न हो।

सिंगल यूज पॉलीथिन के खिलाफ नपा ने चलाया अभियान

बैतूल। नगरपालिका टीम ने शुक्रवार को सिंगल यूज पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान नपा टीम ने सिंगल यूज पॉलीथिन की जब्ती करने के साथ-साथ दुकानदारों पर जुर्माने की भी कार्रवाही की है। बताया जाता है कि नपा टीम ने गंज और कोठी बाजार क्षेत्र में 25 से 30 किलो सिंगल प्लास्टिक जप्त की गई और 16,700 का जुर्माना किया गया। नपा अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाही निरंतर जारी रहेगी।

'अभ्युदय' का समापन

सिनेमा की अधिकतर कहानियों में रामकथा की प्रेरणा : अनंत विजय

भोपाल। सिनेमा की विभिन्न विधाओं में लिखने वाले लेखक देश को देखने और समझने के बाद ही अलग-अलग विषयों का समावेश कहानियों में करते हैं। हमारे देश में कहानियों और उनके विषयों की कोई कमी नहीं है। समाज में अलग-अलग दौर में फिल्मों की कहानियां कैसे लिखी गई हैं, इसे पिछले अनेक दशकों की फिल्मों को देखकर समझा जा सकता है। यह विचार आज माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के अभ्युदय के अंतिम दिन रुस्तम तथा इकबाल जैसी चर्चित फिल्मों के पटकथा लेखक विपुल के. रावल ने व्यक्त की।

पटकथा लेखक रावल ने भारतीय फिल्म उद्योग और वैश्विक सिनेमा के विकास की यात्रा पर चर्चा करते हुए फिल्म लेखन के क्षेत्र में आ रहे महत्वपूर्ण बदलावों को रियल लाइफ से जुड़े विषयों की कहानियों के साथ प्रस्तुत करते हुए लेखन एवं तकनीक के अन्तरसम्बन्धों पर चर्चा की। सत्र में वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय ने कहा कि फिल्मों की कहानियां हमारी भावनाएं ही होती हैं। अगर हम गौर से देखेंगे तो पाएंगे कि सिनेमा की अधिकतर कहानियों में रामकथा की प्रेरणा होती है, क्योंकि रामकथा हमारे मन में रची-बसी है।

एक अन्य सत्र में नेटवर्क 18 के वरिष्ठ संपादक डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया तेजी से बढ़ रहा है और इसने दूसरे माध्यमों को कड़ी प्रतिस्पर्धा दी है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से घबराने की जरूरत नहीं है। डिजिटल का बाजार बहुत बढ़ेगा इसके साथ ओरिजिनल कंटेंट की मांग बढ़ेगी, अतःविद्यार्थी अपनी स्किल्स को बेहतर करने पर ध्यान दें।

इस सत्र के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार बालकृष्ण ने मीडिया की विश्वसनीयता और ब्रॉडकास्टिंग पर अपने वक्तव्य में बताया कि किस तरह गलत सूचनाओं ने मीडिया में फैक्ट चैकिंग की मांग बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि किस तरह डिजिटल फ्रॉड देश भर में बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं एनडीटीवी की एंकर अदिति राजपूत ने कहा कि मीडिया आज एक शक्तिशाली उपकरण है इसमें समाज को परिवर्तन करने की शक्ति है पर निश्चित तौर पर इसके कुछ उत्तरदायित्व भी हैं।

सेंसर टेक्नालॉजी पर अपनी बात रखते हुए ड्रोन टेक्नालाजी विशेषज्ञ चिराग जैन ने कहा कि मीडिया क्षेत्र से जुड़ी तकनीक का बेहद विकास हुआ है। इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने अपने स्टॉर्टअप से जुड़े अनुभवों को भी साझा किया। इस सत्र में उपस्थित अधिवक्ता शिखा छिब्बर ने भारतीय न्याय संहिता के नवीन पहलुओं पर अपना संबोधन दिया। विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा और वर्तमान में कालिंदी कॉलेज, नई दिल्ली की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निधि अरोड़ा ने विश्वविद्यालय से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। सिनेमा अध्ययन विभाग की पूर्व छात्रा और फिल्मकार सरिता चौरसिया ने फिल्म की दुनिया में कॅरियर कैसे शुरू करना और विश्वविद्यालय से जुड़े अपने अनुभवों पर अपने विचार रखे।समापन सत्र में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि अधिकार एवं कर्तव्य एक साथ होते हैं, सत्य को समाज के सामने बिना किसी रंग के रखना पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समाज के धर्म का पालन करना पत्रकारों का उत्तरदायित्व है इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि सत्रारंभ में आए विशेषज्ञों के दिए गुरु मंत्र विद्यार्थियों के लिए जीवन भर काम आने वाले हैं। सत्रारंभ के तीसरे दिन सिनेमा अध्ययन विभाग के सत्र के दौरान वर्ष 2025 में फिल्म प्रोडक्शन के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उत्सव ठाकुर को स्व. श्री अनिल चौबे स्मृति पदक एवं 21000 रुपये की राशि प्रदान की गई।

आदि कर्मयोगी अभियान से जिले के 554 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों की बदलेगी तस्वीर

● कलेक्टर ने प्रेस वार्ता में पत्रकारों को अभियान की दी जानकारी

बैतूल। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में प्रारंभ किए गए आदि कर्मयोगी अभियान को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जिले के जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में सुशासन का प्रभावी सिस्टम लागू करने, इन क्षेत्रों में योजनाओं की सेचुरेशन, विकास कार्यों की जन आधारित प्लानिंग और समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही निराकरण किए जाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान शुरू किया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में जनहितैषी योजनाओं और विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आदि कर्मयोगी अभियान केंद्र सरकार की अभिनव पहल है। इस अभियान से जिले के 554 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों की तस्वीर बदलेगी। इस अभियान में राष्ट्रीय मिशन विशेष रूप से पीएम जन मन और धरती आबा योजना के माध्यम से जमीनी स्तर पर जनजातीय वर्ग में आमूलचूल परिवर्तन आएगा।

जिले के ग्रामों में आदि सेवा केंद्र होंगे स्थापित- कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी तथा आदि साथी के माध्यम से अभियान क्रियान्वित होगा। जिले के विभिन्न विकास संबंधी विभागों के जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तरीय कर्मचारी आदि कर्मयोगी होंगे। इसी प्रकार ग्रामों के स्थानीय अध्यापक, चिकित्सक एवं युवा आदि सहयोगी कहलाएंगे जिनका चयन ग्रामीणों द्वारा किया जाएगा। इसी प्रकार क्षेत्रीय स्व सहायता समूह की महिलाएं जनजातीय वर्ग के बुजुर्ग एवं वालंटियर का आदि साथी के रूप में चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में योजनाओं

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर 25 से 28 अगस्त तक देंगे प्रशिक्षण

का शत प्रतिशत सेचुरेशन, ग्रामीण स्तरीय विजन प्लान-2030 का निर्माण, योजनाओं की जानकारी एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आदि सेवा केन्द्र की स्थापना एवं इन क्षेत्रों में एक घंटे की साप्ताहिक जनसुनवाई किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत होंगे एवं समस्त सीईओ जनपद ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारी रहेंगे एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

प्रति सप्ताह अभियान की होगी नियमित समीक्षा: सीईओ - मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने बताया कि जिला स्तर पर अभियान के क्रियान्वयन के लिए 7 जिला स्तरीय एवं प्रत्येक विकासखंड में 5 मास्टर ट्रेनर्स का चयन किया गया है। इसके अलावा अभियान में गैर सरकारी संगठन भी शामिल रहेंगे, जो फील्ड पर काम करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया है। उक्त मास्टर ट्रेनरों द्वारा 25 अगस्त से 28 अगस्त तक ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर अपने अधीनस्थ को ट्रेनिंग देंगे। प्रशिक्षण के पश्चात दल में शामिल सहयोगी और साथी विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर ग्राम में विकास की प्लानिंग बनाएंगे। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर जनजातीय गौरव दिवस तक अभियान में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभियान अंतर्गत ट्रेनिंग के उपरांत जिला स्तर पर प्रति सप्ताह अभियान की नियमित समीक्षा की जाएगी।

जनजातीय परिवारों को विभिन्न योजनाओं से किया जाएगा लाभान्वित

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत बैतूल जिले के 554 गांवों को शामिल किया गया है। जिनमें जनपद पंचायत भीमपुर के 109 ग्राम, भैंसदेही के 71 ग्राम, आठनेर के 51 ग्राम, बैतूल के 62 ग्राम, चिचोली के 42, घोड़ाडोंगरी के 86, शाहपुर के 66 ग्राम, मुलताई 9 ग्राम, प्रभात पट्टन के 26 ग्राम एवं आमला के 32 ग्राम सम्मिलित है। योजना का उद्देश्य चयनित जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में जनजातीय परिवारों के लिए 18 विभागों मंत्रालयों की 25 योजनाओं मकान, सडक़, पेयजल, होमस्टे, विपणन केंद्र, उज्ज्वला योजना, मोबाइल, मेडिकल यूनिट, आंगनबाड़ी, पोषण वाटिका, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, छात्रावास, बिजली एवं सोलर कनेक्शन, 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी, राशन कार्ड, पीएम जनधन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, जाति प्रमाण-पत्र, पीएम किसान कार्ड से शत-प्रतिशत संतृप्ति की जाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए चयनित ग्रामों की, बसाहटों में व्यक्ति हितग्राही मूलक एवं अधोसंरचना संबंधी सर्वे के लिए ग्रामवार पंचायत सचिव, पीसीओ, रोजगार सहायक, उपयंत्री, शिक्षक, पटवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम सर्वे दल का गठन जिला स्तर से किया गया है।

छात्रावासों में बच्चों की नियमित हो चिकित्सकीय जांच
सुश्री सोनिया मीना

शासकीय संस्थाओं के नियमित निरीक्षण में कोताही न बरतें अधिकारी: कलेक्टर

■ खाद वितरण व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करें एसडीएम, कालाबाजारी करने वालो पर की जाए सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने समय सीमा की बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एससी, एसटी एवं ओबीसी छात्रावासों में बच्चों की नियमित जांच और चिकित्सकीय परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाए। उन्होंने कहा कि शालाओं, छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण केवल औपचारिकता न हो, बल्कि संस्थाओं में सामने आने वाली वास्तविक समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि संबंधित जिला अधिकारी निरीक्षणकर्ता अधिकारियों की टीप के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करें और संस्थाओं में सुधारात्मक कदम तत्काल उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि संस्था निरीक्षण के कार्य को अधिकारी विशेष प्राथमिकता देते हुए संपादित करें। बैठक के दौरान कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण, दर्ज टिप्पणियों और उसके आधार पर किए गए सुधारात्मक कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों ने अभी तक निरीक्षण नहीं किया है, वे भी शीघ्र प्राथमिकता से आवंटित संस्थाओं का निरीक्षण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, वहां शीघ्र कैमरे स्थापित किए जाएं। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित पंजियों का अवलोकन और अन्य आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने एसीएस बैठक में चिन्हित कार्यवाही बिंदुओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक के दौरान चिन्हित बिंदुओं की अद्यतन जानकारी विस्तारपूर्वक परीक्षण के उपरांत सुस्पष्ट एवं संक्षेप में दर्ज करें। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर केवल तथ्यपूर्ण एवं वास्तविक जानकारी ही दर्ज की जाए। किसी भी प्रकार की अपूर्ण जानकारी दर्ज न करे। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी दो दिवसों के भीतर सभी कार्यवाही बिंदुओं से संबंधित जानकारी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करें।

समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने निराश्रित गौवंश एवं जर्जर भवनों से संबंधित कार्यवाहियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने विशेष रूप से सोहागपुर एवं माखननगर क्षेत्र के सीईओ, सीएमओ एवं एसडीएम को निर्देशित किया कि सड़क मार्गों पर निराश्रित गौवंश की आवाजाही को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने प्रत्येक तहसील की गौशालाओं की क्षमता की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्थायी गौशालाओं में क्षमता अनुरूप निराश्रित गौवंश का स्थानांतरण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा डिस्मेंटल किए गए भवनों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने जर्जर भवनों से संबंधित वर्तमान कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष डिस्मेंटल होने योग्य जर्जर भवनों की शीघ्र डिस्मेंटलिंग सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि गौशालाओं एवं जर्जर भवनों से संबंधित कार्यवाहियों का निर्वहन प्राथमिकता के साथ करें। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विभाग वार रिव्यू के दौरान निर्देश दिए कि बॉटम स्थान प्राप्त करने वाले विभाग शिकायतों के समाधान की स्थिति में सुधार करें। कलेक्टर ने विशेष रूप से राजस्व विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि 500 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण में तेजी लाई जाए। उन्होंने समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत चिन्हित बिंदुओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से संबंधित सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी शीघ्र शिकायतों के निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा की एफसी किए गए प्रकरणों का भी परीक्षण किया जाए। उन्होंने अपर कलेक्टर को एफसी किए गए एवं एफसी योग्य प्रकरणों के फॉलोअप करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय कार्यालयों में दोपहिया वाहन से यात्रा करने वाले सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हेलमेट पहनकर ही आएं। साथ ही सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित प्रपत्र में हेलमेट उपयोग करने वाले एवं न करने वाले कर्मचारियों की जानकारी अद्यतन कर समय पर प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर सुश्री मीना ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिए कि खाद उपलब्धता की स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि गोदामों एवं समितियों में खाद वितरण का उचित प्रबंधन सुनिश्चित हो, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर ने दिए निर्देष

सभी एसडीएम एवं तहसील स्तरीय कार्यालय ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही पत्राचार करें। उन्होंने निर्देश दिए कि विकासखंड स्तर पर भी अधिकारी अपने-अपने अधीनस्थ कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से अपनाएं। शेष बचे हुए सीईओ एवं सीएमओ को शीघ्र ऑन बोर्ड करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत स्पष्ट किया कि कोई भी प्रकरण समय सीमा से बाहर न जाए। कलेक्टर द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत सभी कर्मचारियों का पंजीयन द्ध-द्दश्च्ल पोर्टल पर कर प्रोफाइल अद्यतन करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सुजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन पांडे, संयुक्त कलेक्टर श्री निलेश कुमार शर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत, एसडीएम श्रीमती नीता करी सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व मच्छर दिवस पर डेंगू नियंत्रण हेतु जागरूकता एवं लार्वा सर्वे अभियान

विदिशा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में आज विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी, अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा के छात्र-छात्राओं एवं एंबेड परियोजना के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनसमुदाय को मलेरिया एवं डेंगू के कारण, लक्षण, जांच, उपचार एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विदिशा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू लार्वा सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान कुल 381 घरों की जांच की गई, जिनमें से 12 घरों में डेंगू लार्वा पाए गए। इन लार्वा को तुरंत कीटनाशक दवा का छिड़काव कर नष्ट कर दिया गया। जनसमुदाय से अपील की गई कि घरों में रखे सभी पानी के बर्तन, कूलर, टंकी, टायर, गमले एवं फ्रिज की ट्रे की प्रति सप्ताह सफाई करें। बड़े पानी के कंटेनरों में प्रति सप्ताह मीठा तेल डालें। मच्छरों से बचाव हेतु पूरे शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें, मच्छरदानी का उपयोग करें और शाम को नीम पत्तियों का धुआं करें।

तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकत्ते, जोड़ों व मांसपेशियों में दर्द या रक्तस्राव के लक्षण प्रकट होने पर तुरंत नजदीकी चिकित्सक से संपर्क करें। जिले में डेंगू की जांच हेतु डेंगू एलाइजा टेस्ट सुविधा जिला चिकित्सालय विदिशा एवं अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय में निःशुल्क उपलब्ध है। आज प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कुल 42 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 1 मरीज डेंगू पॉजिटिव पाया गया है। यह अभियान जिले में डेंगू एवं मलेरिया के प्रसार की रोकथाम और जनजागरूकता के लिए निरंतर जारी है।

संक्षिप्त समाचार

रहटगांव के रोजगार मेले में 31 युवाओं का चयन हुआ

हरदा (निप्र)। म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन हरदा द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को ग्राम पंचायत भवन रहटगांव में रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनीयो ने सहभागिता की। इसमें मुख्य रूप से एसआईएस नीमच, शिवशक्ति बायोटैक भोपाल, एवं टाटा मोटर्स अहमदाबाद, प्रतिभा सिंटेक्स पीथमपुर, ट्राईडेंट बुधनी, वर्धमान फैब्रिक बुधनी, ने ऑनलाइन उपस्थित रहकर युवाओं का भी चयन किया गया। रोजगार मेले में 63 बेरोजगार युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमे से 31 युवकों को विभिन्न कंपनियो व संस्थाओं द्वारा रोजगार एवं प्रशिक्षण के लिये चयन किया गया। मेले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री राधेश्याम जाट, प्रभारी विकासखंड प्रबंधक श्री अभिजीत मिश्रा एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अवैध रूप से ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली चोरी में एफआईआर दर्ज

रायसेन (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा रायसेन वृत्त के बरेली संभाग अंतर्गत वितरण केंद्र बाड़ी के ग्राम उरदमऊ में अवैध रूप से 25 के.व्ही.ए के दो ट्रांसफार्मर रखकर बिजली चोरी पर कंपनी द्वारा आरोपियों के विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर थाना बाड़ी में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सहायक प्रबंधक बाड़ी वितरण केंद्र ने बताया कि कंपनी के विजिलेंस दल द्वारा विद्युत लाइनों के निरीक्षण एवं चेकिंग के दौरान 11 के.व्ही. दिगबाड़ फीडर से बिना अनुमति अवैध रूप से लाइन का विस्तार कर 25 के.व्ही.ए. क्षमता के दो ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत चोरी करते पाए जाने पर आरोपियों के विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर थाना बाड़ी में एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की गई है। कंपनी द्वारा इस दौरान अवैध कनेक्शन पर पंचनामा बनाकर डिस्कनेक्शन करते हुए अवैध रूप से रखे गये 25 केवीए के दो ट्रांसफार्मर, कंडक्टर एवं अन्य सामग्री को भी जब्त किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि अनधिकृत रूप से लाइन का विस्तार एवं अवैध रूप से ट्रांसफार्मर रखकर विद्युत चोरी करने से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित होती है। इससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है तथा विभाग को आर्थिक क्षति भी होती है। कंपनी ने बताया है कि इस प्रकार से अवैध गतिविधियाँ पाई जाती हैं, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कंपनी द्वारा कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कंपनी ने आमजनों से अपील की है कि अनधिकृत रूप से विद्युत का उपयोग न करें तथा कंपनी से अनुमति प्राप्त कर नियमों का पालन करते हुए बिजली का उपयोग करें, जिससे सुरक्षित एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

सीएमएचओ डॉ हुरमाड़े ने ली समीक्षा बैठक

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने मंगलवार को एनआईसी कक्ष बैतूल में राज्य स्तरीय वीडियो कान्फ्रेस के बाद समस्त बीएमओ, बीपीएम, बीईई एवं बीसीएम की समीक्षा बैठक ली। सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की एवं कम उपलब्धि वाले राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रगति लाने के आवश्यक निर्देश दिये। समस्त बीएमओ को अनमोल पोर्टल का डाटा मीटिंग लेकर का सुधारने, सामदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर, आमला एवं घोड़ाडोंगरी बीएमओ को अनमोल में ब्लड ट्रांसफ्यूजन का डाटा अपडेट करने के निर्देश दिये साथ ही सेहरा, आमला बीएमओ को दस्तक अभियान में तीन दिन में डाटा सुधारने के निर्देश दिये। डॉ सरिता कालभोर मुलताई को एनसीडी का नोडल अधिकारी बनाने, मुलताई बीईई को एमडीआर का कार्य देखने, चिकित्सा अधिकारी शहरी क्षेत्र बैतूल डॉ शिखा घिघोड़े को वीडियो कान्फ्रेंस से अनुउपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। श्रीमती गायत्री सूर्यवंशी जिला अस्पताल एनएचएम लेखापाल को वीडियो कान्फ्रेस में विकासखंडवार डाटा लेकर आने के निर्देश दिए।

खाद्य विभाग ने सुपारी कारोबारकर्ता के गोदाम का किया औचक निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की सघन जांच एवं नमूने लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन श्री शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में 19 अगस्त को खाद्य पदार्थ विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप पाटिल, पुरुषोत्तम भंडारिया, शशि भारतीय एवं पुलिस विभाग से एएसआई यादव द्वारा पाथाखेड़ा में बिना अनुज्ञप्ति के संचालित हो रहे एक सुपारी कारोबार कर्ता का औचक निरीक्षण किया गया। फर्म को वेद अनुज्ञप्ति प्राप्त करने तक बंद रखने के निर्देश दिए गए।

फर्म से सुपारी के दो नमूने लिए गए। एजेंसियों से अचार मसाला, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर के एक-एक नमूने लिए गए। लिए गए कुल 6 सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबार कर्ताओं को प्रतिष्ठान में साफ-सफाई रखने की हिदायत भी दी गई। यह कारवाई सतत जारी रहेगी।

संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी है : राज्य मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी

विदिशा में संस्कृत गौरव दिवस महोत्सव का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। संस्कृत गौरव दिवस महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन आज विदिशा के रविंद्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक (ऑडिटोरियम) भवन में हुआ। इस कार्यक्रम में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्कृत महोत्सव आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित किया और संस्कृत भाषा के महत्व के बारे में प्रकाश डाला है।

उन्होंने कहा कि आज विश्व में जितनी भी भाषाएं हैं उनकी जननी संस्कृत भाषा ही है। उन्होंने कई उदाहरण पेश भी किये साथ ही जितने भी प्राचीन धार्मिक ग्रंथ हैं उनकी रचना भी संस्कृत भाषा में ही हुई है। विश्व की जितनी भी भाषाएं हैं संस्कृत उन सभी भाषाओं का मूल है। उन्होंने सभी से आव्हान करते हुए कहा कि यदि हमें अपनी संस्कृति को जानना है तो संस्कृत भाषा को जानना अति आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि सभी श्लोकों की रचना भी संस्कृत भाषा में ही हुई है। उन्होंने आज की युवा पीढ़ी को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ संस्कृत भाषा का ज्ञान अर्जित करने का भी आव्हान किया।

विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्कृत भाषा के महत्व पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा अति प्राचीन भाषा है जिसका ज्ञान अर्जन करना हम सभी को जरूरी है। संस्कृत गौरव दिवस महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन आज ऑडिटोरियम भवन में कालिदास संस्कृत अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृत परिषद उज्जैन द्वारा जिला शिक्षा विभाग विदिशा और पंडित गंगा प्रसाद पाठक ललित कला न्यास विदिशा के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया।

यह कार्यक्रम 21 अगस्त को भी जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि प्रोफेसर शिवाकांत द्विवेदी ग्वालियर, मैप कास्ट भोपाल के निदेशक श्री अनिल कोठारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण व शहर के आम नागरिक उपस्थित रहे।

नन्हीं जान की मुस्कान लौटाई

विदिशा (निप्र)। 18:53 द्धस्न्न अटल बिहारी चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा में 19 अगस्त 2025 का दिन एक परिवार के लिए राहत और खुशियों से भरा साबित हुआ। श्री शानू लखेरा अपनी 10 माह की बच्ची को लेकर नाक-कान-गला विभाग की ओपीडी पहुँचे। दो दिन पूर्व मासूम ने खेलते-खेलते धातु का पेंडेंट निगल लिया था। गले में फंसा यह पेंडेंट उसकी जान के लिए खतरा बन गया। चिंतित माता-पिता घबराए हुए थे, लेकिन विदिशा मेडिकल कॉलेज की कुशल चिकित्सक टीम ने बिना देर किए कार्यवाही की। तुरंत एक्स-रे जाँच कर स्थिति स्पष्ट की गई और ईएनटी एवं निश्चेतना विभाग की संयुक्त टीम ने दूरबीन (एंडोस्कोप) के माध्यम से जटिल ऑपरेशन किया। कुछ ही समय में पेंडेंट सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। ऑपरेशन के बाद बच्ची अब पूरी तरह स्वस्थ है और खिलखिलाते हुए खेल रही है। उसके माता-पिता ने राहत की सांस ली और मेडिकल कॉलेज की टीम को दिल से धन्यवाद दिया। एक पल में संकट से जूझते परिवार के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। यह घटना न सिर्फ मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा उत्कृष्टता को दर्शाती है, बल्कि विश्वास दिलाती है कि हर आपात स्थिति में यहाँ जीवन को बचाने की पूरी क्षमता मौजूद है। इस सफलता के पीछे समर्पित चिकित्सकों की टीम रही। मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. मनीष निगम ने कहा दृ हमारे पास सभी विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम है, जो हर आकस्मिक स्थिति में मरीजों की जान बचाने के लिए तत्पर रहती है। अधीक्षक डॉ. अविनाश लाघवे ने बताया दृ अटल बिहारी चिकित्सा महाविद्यालय 24 घंटे सेवाएँ प्रदान करता है और यहाँ जटिल सर्जरी भी नियमित रूप से की जाती हैं। बच्ची के गले से मैटल के पैंडल को सुरक्षित बाहर निकाल का सफल अंजाम देने वालों में ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार रघुवंशी के साथ साथ सहायक प्राध्यापक द्धय डॉ. प्रियंका वर्मा, डॉ. शोबित यादव ,सीनियर रेसिडेंट डॉ. रिया जैन, जूनियर रेसिडेंट डॉ. निष्ठा तिवारी, निश्चेतना विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. ज्योति रघुवंशी तथा सीनियर रेसिडेंट डॉ. अमिता चंदेल सहित अन्य सहयोगियों ने टीम वर्क की भावना से उक्त कृत को पूरा किया है।

कलेक्टर की पहल पर लीवर संबंधी बीमारियों की रोकथाम के लिए फ्री फाइब्रो स्कैन कैंप आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की पहल पर स्वस्थ यकृत मिशन के तहत कलेक्ट्रेट के जिला पंचायत में विगत दिवस मोटापा, मधुमेह, असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता और लीवर की स्वास्थ्य जांच के उद्देश्य से स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा 83 अधिकारियों सहित अनेक कर्मचारियों ने अपनी स्क्रीनिंग कराई थी। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में अनेक स्थानों पर भी शिविर लगाकर संभावित व्यक्तियों की लीवर की स्क्रीनिंग का कार्य किया गया। स्क्रीनिंग के दौरान नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज के चिन्हांकित 109 व्यक्तियों, जिनका बीएमआई 23 से अधिक, एफआईबी-4 स्कोर 1.3 से अधिक तथा कमर की नाप निर्धारित मापदंड से अधिक पाई गई थी, उनकी स्क्रीनिंग एवं उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में फ्री फाइब्रो स्कैन कैंप आयोजित किया गया। कैंप में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के 109 मरीजों का फाइब्रोस्कैन मशीन द्वारा फाइब्रो स्कैन किया गया। इसके साथ ही इससे बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। मरीजों को खानपान एवं जीवन शैली में सुधार करने की सलाह दी गई एवं उपचार भी प्रदान किया गया। ताकि लिवर सिरोसिस एवं लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव किया जा सके। शिविर में जिला नोडल ऑफिसर डॉ राजेश कुमार एवं नोडल अधिकारी डॉक्टर आरके सिंघल सहित अन्य चिकित्सक एवं स्टाफ उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली से संतुष्ट हैं बिजली उपभोक्ता

सीहोर शहरी क्षेत्र में लगाए जा चुके हैं 12,938 स्मार्ट मीटर

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सीहोर में वर्तमान में आरडीएसएस योजनांतर्गत स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है। योजना के तहत विगत दो माह में शहरी क्षेत्र में लगभग 12,938 स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके है। वर्तमान में स्मार्ट मीटर के संबंध में आम विद्युत उपभोक्ताओं के बीच में कई प्रकार की भ्रांतियां एवं अफवाहे फैलाई जा रही है।

इसी बीच जिन उपभोक्ताओं के घरो में स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं, उनसे चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उन उपभोक्ताओं के द्वारा स्मार्ट मीटर की कार्य प्रणाली एवं रीडिंग दर्ज की गति पूर्व में स्थापित मीटर के समान ही बतायी गई।

उपभोक्ताओं ने बताया कि उनके स्मार्ट मीटर में किसी भी प्रकार कोई अनियमितता दिखाई नहीं दे रही है और मीटर बिल्कुल सामान्य गति से चल रहा है। सीहोर के जोन-2 में प्रबंधक रविन्द्र अग्रवाल द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के घर सबमीटर लगाकर स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली एवं गुणवत्ता की जांच की गई। जांच के दौरान उन्होंने स्मार्ट मीटर के संबंध में उपभोक्ताओं से प्रतिक्रिया ली।

इस दौरान विद्युत उपभोक्ता श्री रमेश विश्वकर्मा निवासी पंचवटी कालोनी सीहोर, उपभोक्ता श्री प्रदीप कुमार मालवीय निवासी अवध पुरी, उपभोक्ता श्री देवेन्द्र त्यागी निवासी विश्वनाथ पुरी तथा अन्य उपभोक्ताओं द्वारा स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली सही बताई गई है। उन्होंने बताया कि उनके घर पर लगा स्मार्ट मीटर बिल्कुल ठीक तरीके से कार्य कर रहा है तथा बिल भी खपत के अनुसार ही आ रहा है। उन्होंने बताया कि वे स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली से संतुष्ट हैं।

चारूवा के रोजगार मेले में 48 युवाओं का प्राथमिक चयन हुआ

हरदा (निप्र)। म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन हरदा द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को ग्राम पंचायत भवन चारूवा में रोजगार मेला आयोजित किया गया। रोजगार मेले में मुख्य रूप से एसआईएस नीमच, शिवशक्ति बायोटैक भोपाल, वर्कोमार्ट खण्डवा, ट्राईडेंट बुधनी, प्रतिभा सिंटेक्स पीथमपुर, वर्धमान फैब्रिक बुधनी तथा टाटा मोटर्स अहमदाबाद के द्वारा ऑनलाइन उपस्थित रहकर युवाओं का चयन किया गया। रोजगार मेले में 65 बेरोजगार युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमे से 48 युवकों को विभिन्न कंपनियो व संस्थाओं द्वारा रोजगार एवं प्रशिक्षण के लिये चयनित किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कश्मीर की प्रतिष्ठित डल झील में आयोजित देश के पहले खेलो इंडिया जल-खेल महोत्सव के पहले दिन प्रदेश के खिलाड़ियों द्वारा तीन मैडल जीतने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कयाकिंग-केनोइंग की पृथक-पृथक श्रेणियों में रजत पदक जीतने वाले कृष्ण जाट, कांस्य पदक जीतने वाले मयंक और मासूमा यादव को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तीन दिवसीय महोत्सव की आगामी प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के खिलाड़ी जल-खेल महोत्सव में पदक जीतने का कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने शूटिंग चैंपियनशिप में प्रदेश के पदक विजेताओं को बधाई दी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कजाकिस्तान में जारी 16वीं एशियाई शूटिंग शॉटगन चैंपियनशिप में प्रदेश के खिलाड़ियों द्वारा स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने पर प्रदेश के विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानसी रघुवंशी और ज्योरादित्य सिंह ने वैश्विक मंच पर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

एशियाई शूटिंग शॉटगन चैंपियनशिप के अंतर्गत जूनियर महिला वर्ग में मानसी रघुवंशी ने स्वर्ण पदक और ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया ने जूनियर पुरुष वर्ग में कांस्य पदक जीते। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कठिन परिश्रम, अटूट समर्पण और एकनिष्ठ ध्येय के पर्याय प्रदेश के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि असंख्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जंगल सत्याग्रह के जनजातीय नायकों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल में हुए जंगल सत्याग्रह के जनजातीय गौरव एवं महान क्रांतिकारी कोवा गोंड एवं बूचा कोरकू के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1930 में आज ही के दिन बैतूल में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध जनजातीय नायक श्रद्धेय गंजन सिंह कोरकू के नेतृत्व में जंगल सत्याग्रह आरंभ हुआ था, जिसने अंग्रेजों को पीछे हटने को मजबूर कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समुदाय के अधिकारों के संरक्षण और अन्याय के विरुद्ध यह सत्याग्रह सदैव मातृभूमि के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यंग्यकार श्री हरिशंकर परसाई का किया स्मरण

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साहित्य की व्यंग्य विधा के माध्यम से समाज की विसंगतियों पर गहरी चोट करने वाले प्रख्यात साहित्यकार श्री हरिशंकर परसाई की जयंती पर उनका स्मरण किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परसाई जी की 'भोलाराम का जीव' और 'सदाचार का ताबीज' जैसी कालजयी रचनाएं सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों का मार्ग प्रशस्त करती रहेंगी।

छतरपुर में 10वीं के छात्र ने की आत्महत्या

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के गहरवार गांव में दसवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सतीश कुशवाहा (17) के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार सुबह की है। सतीश रोज की तरह सुबह साढ़े 8 बजे ईसानगर में कोचिंग से पढ़कर घर लौटा। घर आने के बाद वो अपने कमरे में चला गया। करीब 10 बजे तक जब वह बाहर नहीं आया, तो परिजन खाना खाने के लिए बुलाने गए। कमरे में देखा तो वो पाइप से रस्सी के सहारे लटका हुआ था। परिजन तुरंत एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्ट्म के लिए भेज दिया है।

आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं- मृतक के चाचा प्रकाश, जो पन्ना की खदान में काम करते हैं, को सुबह भतीजे की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंदौर-उज्जैन मेट्रो 10 हजार करोड़ में चलेगी, 11 स्टेशन बनेंगे

डीएमआरसी ने दिया प्रेजेंटेशन, सीएम करेंगे रिव्यू फिर कैबिनेट में रखेंगे

भोपाल (नप्र)। इंदौर से उज्जैन तक 45 किलोमीटर तक मेट्रो दौड़ेगी। इसकी डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार हो गई है। जल्द ही सीएम डॉ. मोहन यादव रिव्यू करेंगे। इसके बाद कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। हालांकि, फंड और डिपो के लिए सरकारी जमीन जैसी कुछ अड़चनें हैं। जिससे प्रोजेक्ट ने रफ्तार नहीं पकड़ी है।

दिल्ली मेट्रो ने दोनों शहरों की फिजिबिलिटी स्टडी रिपोर्ट तैयार की थी, जिसमें इसे मेट्रो के लिए अच्छा बताया था। इसके बाद डीपीआर तैयार की गई। इस प्रोजेक्ट में करीब 10 हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। वहीं, लगभग 45 किमी के ट्रैक में 11 स्टेशन बनेंगे। 4.5 किमी का ट्रैक उज्जैन शहर में अंडर ग्राउंड रखने का प्रस्ताव है। मेट्रो लवकुश नगर से शुरू होकर उज्जैन रेलवे स्टेशन तक जाएगी।

पौन घंटे में सफर पूरा होगा

मेट्रो चलने से इंदौर-उज्जैन के बीच सफर में समय कम लगेगा और महाकाल मंदिर तक पहुंचने में दर्शनार्थियों को आसानी होगी। उज्जैन पहुंचने का समय लगभग आधा रह जाएगा। अभी बस से करीब 2 घंटे तो कार से करीब डेढ़ घंटा लगता है। दोपहिया से लगभग दो घंटे लगते हैं। मेट्रो 45 से 50 मिनट में लवकुश चौराहा से उज्जैन पहुंचेगी।

सांवेर के पास रेवती में मांगी जमीन

इंदौर में पहले से मेट्रो का संचालन हो रहा है, इसलिए दूसरे डिपो की जरूरत नहीं होगी। इंदौर के लवकुश चौराहे से उज्जैन तक मेट्रो पहुंचेगी। उज्जैन में डिपो के लिए जमीन तलाश की गई। कुल 49.7 एकड़ सरकारी जमीन उज्जैन के आसपास नहीं मिली। इस वजह से सांवेर के पास रेवती में जमीन मांगी गई। देश में कई शहरों में मेट्रो और रैपिड रेल चल रही हैं। दिल्ली मेट्रो सबसे बड़ी प्रणाली है और इसके अलावा रैपिड रेल दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर भी चल रही है। रैपिड रेल गुरुग्राम में भी उपलब्ध है।

यह 11 स्टेशन बनेंगे

डीपीआर में भौंरासला, बारोली, धरमपुरी, तराना, सांवेर, पंथ पिपलई, निनोरा, त्रिवेणी घाट, नानाखेड़ा, उज्जैन आईएसबीटी, उज्जैन रेलवे स्टेशन पर मेट्रो स्टेशन बनेंगे। उज्जैन में मेट्रो को कहां से अंडरग्राउंड किया जाना है, इस पर निर्णय होना है।

दिल्ली मेट्रो ने ही की थी फिजिबिलिटी स्टडी

इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने के लिए साल 2022-23 में फिजिबिलिटी स्टडी दिल्ली मेट्रो ने ही की थी, जो सरकार को सौंपी गई थी। इस रिपोर्ट के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में बतौर प्रभारी मंत्री बैठक ली। इसमें कहा था कि मेट्रोपोलिटन सिटी में दोनों शहरों की फिजिबिलिटी रिपोर्ट सबसे बेहतर है। इसके बाद प्रोजेक्ट को लेकर रफ्तार तेज तो हुई, लेकिन फंड को लेकर अड़चन है। मेट्रो से जुड़े एक अफसर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में कम से कम 3 साल लगेंगे। ऐसे में यह सिंहस्थ से पहले शुरू नहीं हो सकता।

स्टेशन कम रहेंगे तो लागत भी कम आएगी

भोपाल में प्रायोरिटी कॉरिडोर के सुभाष नगर से एम्स के बीच कुल 8 मेट्रो स्टेशन बन रहे हैं। एक स्टेशन की लागत 50 करोड़ रुपए से अधिक है। दूसरी ओर, इंदौर और उज्जैन के बीच मेट्रो के कम स्टेशन रहेंगे। इससे राशि बचेगी और लागत भी कम आएगी।

एलिवेटेड और अंडरग्राउंड रहेगी मेट्रो

मेट्रो कार्पोरेशन सूत्रों के अनुसार इंदौर-उज्जैन रोड पर मेट्रो को एलिवेटेड रखा जाएगा। इसके लिए सड़क के बीच स्थित डिवाइडर पर मेट्रो के पिलर खड़े किए जाएंगे। वहीं, नानाखेड़ा से उज्जैन रेलवे स्टेशन तक मेट्रो अंडर ग्राउंड रहेगी। हालांकि कितने किमी का कितना हिस्सा एलिवेटेड रहेगा और कितना अंडरग्राउंड रहेगा, यह डीपीआर तैयार होने के बाद ही पता चलेगा।

135 किमी अधिकतम रफ्तार

इंदौर व उज्जैन के बीच हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जा सकता है। इसकी अधिकतम रफ्तार 135 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहेगी। वर्तमान में दिल्ली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन में इस तरह हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने की योजना बनाई जा रही थी, लेकिन 10 हजार करोड़ रुपए का बजट जुटाना राज्य शासन के लिए आसान नहीं है। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट सिंहस्थ के पहले पूरा नहीं हो पाएगा।

एक तिहाई रह जाएगा ट्रैफिक

इंदौर और उज्जैन का करीब 75 प्रतिशत ट्रैफिक सड़क मार्ग से ही आना-जाना करता है। हजारों लोग इंदौर-उज्जैन में अप-डाउन करते हैं। इससे सड़क पर ट्रैफिक का दबाव बना रहता है। कई बार हादसे भी हो चुके हैं। ऐसे में इंदौर और उज्जैन के बीच मेट्रो बेहतर कनेक्टिविटी का बड़ा विकल्प हो सकता है। दोनों शहरों के बीच मेट्रो चलने के बाद सड़क मार्ग का ट्रैफिक एक तिहाई रह जाएगा।

इंदौर में मेट्रो पहले से है, दूसरे डिपो की जरूरत नहीं

इंदौर-उज्जैन के बीच प्रस्तावित मेट्रो के लिए दिल्ली मेट्रो ने फिजिबिलिटी स्टडी की। इसके बाद डीपीआर का ड्रॉफ्ट बनाया गया। इसमें लागत, स्टेशनों की संख्या तय की गई है। इस प्रोजेक्ट में स्टेशनों की संख्या कम रहेगी। इंदौर-उज्जैन के बीच सड़क मार्ग की दूरी करीब 55 किमी है। इसके आसपास से ही मेट्रो गुजर सकती है। यह रोड पहले से ही सिक्स लेन किया जा रहा है। वहीं, यहां पर ज्यादा भू-अर्जन भी नहीं करना पड़ेगा।

श्योपुर में नाले में बहे दो युवक, एक को बचाया

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, नर्मदापुरम के इटारसी, श्योपुर, मंडला और सिवनी-मालवा समेत कई जिलों में पानी गिरा है।

नर्मदापुरम में तवा डैम का एक गेट 3 फीट तक खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। श्योपुर में सीप नदी के उफान पर आने से निचली बस्तियों में पानी भर गया। बोदल की पुलिया बहने से सवाई माधोपुर रोड बंद हो गया है। श्योपुर के कराहल में दो युवक नाले में बह गए। एक को ग्रामीणों ने बचा लिया जबकि दूसरे की तलाश एसडीईआरएफ कर रही है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए श्योपुर, नीमच और मंदसौर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, रतलाम, आगर-मालवा, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश का यलो अलर्ट है।

श्योपुर में सबसे ज्यादा 3.2 इंच पानी गिरा- पिछले 24 घंटे के दौरान श्योपुर में सबसे ज्यादा 3.2 इंच पानी गिर गया। गुना में 1.7 इंच, रतलाम में 1.5 इंच, शिवपुरी में 1.3 इंच, भोपाल में 1.2 इंच, रायसेन में 1.1 इंच और पचमढ़ी में 1 इंच बारिश हुई।

मंदसौर में उफान पर शिवना नदी- मंदसौर में शिवना नदी उफान पर है। इससे पशुपतिनाथ मंदिर की छोटी पुलिया जलमग्न हो गई है। दरअसल, सीमावर्ती राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में हो रही बारिश से शिवना नदी का जलस्तर बढ़ा है। कालाभाटा डैम के गेट खोले जाने से शिवना उफान पर आ गई है।

इटारसी में भी झमाझम बारिश- इटारसी में शुक्रवार दोपहर को जमकर बारिश होने लगी। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। साथ ही मौसम भी सुहावना हो गया है।

सिवनी मालवा में तेज बारिश- सिवनी मालवा में शुक्रवार सुबह मौसम खुला हुआ था। दोपहर बाद से बारिश दौर शुरू हो गया। रुक-रुक कभी तेज बौछारें तो कभी रिमझिम फुहारें आ रही है।

भोपाल विधायक आरिफ मसूद पर एसआईटी जांच पर स्टे

सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज के मामले में दी राहत ; हाईकोर्ट ने दिए थे आदेश

भोपाल (नप्र)। भोपाल की मध्य सीट से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सोमवार को मप्र हाईकोर्ट जबलपुर ने विधायक मसूद के इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज के मामले में एफआईआर दर्ज करने और एसआईटी जांच के आदेश दिए थे। इस मामले में विधायक सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

सिब्बल और तन्खा ने रखा मसूद का पक्ष

सुप्रीम कोर्ट में आज शुक्रवार को जस्टिस जेके माहेश्वरी की बैंच में विधायक मसूद की याचिका पर सुनवाई हुई। कांग्रेस विधायक की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और विवेक तन्खा, वरुण तन्खा ने पक्ष रखा। मसूद के वकील विवेक तन्खा ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने स्टे कर दिया है।

एमपी हाईकोर्ट ने कहा था- 3 दिन के अंदर एफआईआर दर्ज करें

सोमवार को हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए कॉलेज की मान्यता प्राप्त करने के मामले में सुनवाई करते हुए एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने भोपाल कमिश्नर को आदेश दिया कि वे तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज कर इसकी जानकारी कोर्ट को दें।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भोपाल के कोहेफिजा थाने में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ कूटरचित दस्तावेजों के जरिए धोखाधड़ी करने का केस दर्ज किया गया। आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अपने कॉलेज को मान्यता दिलवाई।

जस्टिस अतुल श्रीधरन की कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कॉलेज की मान्यता ली थी। कोर्ट ने इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज में नए दाखिलों पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

भोपाल का सुल्तानिया हॉस्पिटल बिना एसी ठंडा रहेगा

एमपी का ऐसा पहला मल्टी स्पेशलिटी सरकारी अस्पताल, ओटी में रोबोट काम कर सकेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल का 135 साल पुराना सरकारी सुल्तानिया अस्पताल जल्द हाईटेक और मॉडर्न रूप में बनकर तैयार हो जाएगा। इसकी बिल्डिंग इस तरह बनाई जा रही है, जिसमें दिन में लाइट जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कंस्ट्रक्शन कंपनी का दावा है कि इसके तीन फ्लोर में एयर कंडीशनर (एसी) की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। हालांकि, आईसीयू और सेंसेटिव एरिया समेत नीचे के दो फ्लोर में जरूरत के लिहाज से एसी लगाए जाएंगे।

अंग्रेजी के आई अक्षर के शेप में बन रही इस बिल्डिंग के ज्यादातर हिस्से में प्राकृतिक रोशनी सीधे जाएगी। छत पर सोलर पैनल लगेंगे। इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए पार्किंग में चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इस सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का निर्माण कार्य 136 करोड़ की लागत से अगस्त 2026 तक पूरा हो जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में ये जिले का पहला ऐसा अस्पताल होगा, जहां ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में रोबोटिक सर्जरी होगी। मिनिमल इनवेसिव प्रोसीजर और

स्मार्ट मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं पहली बार किसी सरकारी सेटअप में एक ही छत के नीचे मिलेंगी।

ओपीडी, आईपीडी और इमरजेंसी अलग-अलग ब्लॉक में रहेंगे- अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी और इमरजेंसी के अलग-अलग ब्लॉक बनाए गए हैं, जिससे गंभीर मरीज, भर्ती मरीज और सिर्फ ओपीडी में दिखाकर लौट जाने वाले मरीज एक-दूसरे से अलग रहेंगे। गंभीर और भर्ती मरीज ओपीडी की भीड़ से बच सकेंगे। इनकी जांच और बिलिंग भी अलग-अलग होगी।

जिला स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि यह पहला अस्पताल है, जिसके निर्माण के लिए हॉस्पिटल प्लानर नियुक्त किया था। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा का कहना है कि पुराने सुल्तानिया की सेवा परंपरा और नए दौर की तकनीक का यह संगम होगा, जिससे राजधानी की स्वास्थ्य व्यवस्था को अगले स्तर पर ले जाने वाला है। अस्पताल का फर्स्ट फेज अगस्त 2026 तक पूरा करने की डेडलाइन रखी है। इसमें अस्पताल में जच्चा-बच्चा से लेकर बुजुर्गों और संक्रामक रोगों के मरीजों को इलाज मिलने लगेगा।

यहां 24-7 इमरजेंसी सेवा मिलेगी। मरीजों को लाने ले जाने के लिए एम्बुलेंस सेवा के साथ मृतकों के लिए शव वाहन मुहैया कराए जाएंगे। अलग से ट्रॉमा केयर यूनिट होगी, जिसमें दुर्घटना की चपेट में आए मरीजों का इलाज किया जाएगा। लेजर मशीनों से लैस एडवांस फिजियोथेरेपी यूनिट बनाई जाएगी।

जनजातीय परिवारों को सशक्त करने बनेगा तीन लाख आदि कर्मयोगियों का समर्पित संवर्ग

41 जिलों के 11294 जनजातीय बहुल गांवों को मिलेगा लाभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जनजातीय परिवारों को सशक्त बनाने और प्रत्येक परिवार को योजनाओं का लाभ देने के लिए तीन लाख आदि कर्मयोगियों का समर्पित संवर्ग तैयार किया जा रहा है। इससे 41 जिलों के 11 हजार 294 जनजातीय बहुल गांवों में रह रहे परिवारों को लाभ होगा।

इसका उद्देश्य जनजातीय कल्याण के लिए उत्तरदायी, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देना है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि विकसित भारत के निर्माण में जनजातीय परिवारों की समान भागीदारी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान में शासकीय अधिकारी 'आदि कर्मयोगी' के रूप में, युवा नेता, शिक्षक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनजातीय कार्यों में रूचि रखने वाले प्रतिबद्ध लोग 'आदि सहयोगी' के रूप में और स्व-सहायता समूह, जनजातीय नेता, स्वयंसेवक, सांस्कृतिक कार्यकर्ता, गांव के निवासी 'आदि साथी' के रूप में जुड़ सकते हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदि कर्मयोगी अभियान में मध्यप्रदेश में विशेषज्ञ संस्था भारत ग्रामीण आजीविका फाउंडेशन - बी.आर.एल.एफ द्वारा आदि कर्मयोगियों को राज्य, जिला, विकासखंड और ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर तैयार किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 02 अक्टूबर 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया था। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा इस अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री मोदी के मिशन अनुरूप आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया गया है। आदि कर्मयोगी एक राष्ट्रीय मिशन है। इसमें जमीनी स्तर पर शासन-प्रशासन तंत्र तथा सेवाओं को जनजातीय परिवारों के हित में मजबूत बनाया जायेगा। इस अभियान से देश में 20 लाख जिला अधिकारियों एवं अन्य हितधारकों का एक कैडर विकसित हो रहा है। इसमें मध्यप्रदेश के तीन लाख आदि कर्मयोगी शामिल हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, वन, पंचायती राज विभाग और जल जीवन मिशन शामिल हैं। यह अभियान केन्द्र से लेकर विकासखंड स्तर तक जनजातीय विकास के संपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास बढ़ाने का कार्य करेगा। आदि कर्मयोगी अभियान के प्रथम चरण में देश के 27 राज्यों के 326 जिलों को शामिल किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के 41 जिले शामिल हैं।

अभियान अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ग्राम स्तर पर अपेक्षित परिणामों में मुख्य रूप से महत्वपूर्ण सेवाओं जैसे - आवास, सड़क, पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य में सौ प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है।

गांव की पगडंडियों पर जो सुकून है, वो शहर की गलियों में कहां

छिंदवाड़ा बना मध्यप्रदेश का नया टूरिज्म हॉट स्पॉट

भोपाल (नप्र)। सतपुड़ा की वादियों में बसे छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन-ग्राम अब पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षण बन गये हैं। ग्रामीण जीवन, जनजातीय संस्कृति, पहाड़ी ट्रैकिंग और लोक नृत्य सब कुछ एक ही जगह पर्यटकों को मिल रहा है। पिछले 2 वर्षों में यहां बनाये गये होम-स्टे को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पहचान मिली है। मध्यप्रदेश में होम-स्टे के माध्यम से पर्यटकों को ग्रामीण संस्कृति तथा ग्रामीण जीवन के अनुभव कराने के उद्देश्य से ग्रामीण पर्यटन परियोजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के 100 गांवों को पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है।

होम-स्टे से रूका पलायन- मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित किये गये छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन ग्रामों के होम-स्टे देश-प्रदेश के पर्यटकों को खूब भा रहे हैं। हर सप्ताह यहां हजारों की संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। जिले के 12 गांवों को पर्यटन ग्राम के रूप में चयनित किया गया है। इनमें से 7 गांव सावरवानी, देवगढ़, काजरा, गुमतरा, चोपना, चिमटीपुर और धूसावानी में 36 होम-स्टे पर्यटकों के लिये खोले जा चुके हैं। होम-स्टे खुलने से ग्रामीण रोजगार और उच्च शिक्षा का रूझान बढ़ा है। साथ ही जनजातीय परिवारों का पलायन भी रूक गया है। गांव के युवा गाइड के रूप, लोक नृत्य और भजन मंडली की प्रस्तुति और बैलगाड़ी संचालन से सैलानियों को ग्रामीण जन-जीवन से अवगत कराते हुए अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं।

हर पर्यटन ग्राम की अपनी पहचान- छिंदवाड़ा जिले के हर पर्यटन ग्राम की अपनी विशेषता है। भोपाल मार्ग पर साल के जंगल के बीच बसे चोपना में देवना नदी का अद्भुत नजारा, पातालकोट के चिमटीपुर गांव की रहस्यमयी वादियां, पेंच नेशनल पार्क के करीब ऑफबीट डेस्टीनेशन गुमतारा, देवगढ़ में गोंड शासन का ऐतिहासिक किला, काजरा में बंधान डेम के बेकवॉटर्स का सौंदर्य और धूसावानी गांव के चौरागढ़ महादेव मंदिर का दृश्य और आम के बागान पर्यटकों को यहां बार-बार आने के लिये प्रेरित करते हैं। होम-स्टे में पर्यटक गाय का दूध दोहने, खेत के कामों में हाथ बटाने और पहाड़ियों पर ट्रैकिंग करने जैसे अनुभव जीते हैं। ढोलक-मंजीरे के साथ भजन और कर्मा नृत्य मंडलियों की प्रस्तुति भी पर्यटकों को आकर्षित कर रही है।